दैनिक

RNI No. MPHIN/2017/73874

# डिजिटल भारत

बदलते इंडिया की खबर

वर्ष : 06 अंक : 27 | जबलपुर, शुक्रवार 27 जनवरी-2023 | पृष्ठ : 08, मूल्य 05 रुपये

## संक्षिप्त समाचार

### ललित मोदी की टिप्पणी के खिलाफ याचिका पर आदेश देने से सुप्रीम कोट का इनकार

**नई दिल्ली।** आईपीएल के पूर्व चेयरमेन ललित मोदी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। दरअसल, शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को उस याचिका पर कोई भी आदेश देने से इनकार कर दिया जिसमें आरोप लगाया गया था कि ललित मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में पूर्व अटॉर्नी जनरल और वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। जस्टिस संजीव खन्ना और एम एम सुंदरेश की पीठ ने कहा कि पक्षकार इस तरह के बयान देने के लिए पर्याप्त परिपक्व हैं और वकीलों से इस मुद्दे को सुलझाने को कहा। यह और कुछ नहीं बल्कि एक परिवार के सदस्य के गुस्से का विस्तार है। इसे बहुत दूर न ले जाएं। जब भी आप सार्वजनिक रूप से लड़ना शुरू करते हैं, तो यह हमेशा हानिकारक होता है। हम आदेश पारित नहीं कर रहे हैं लेकिन आप यह सुनिश्चित करने के लिए अपने अच्छे कार्यालय का उपयोग करें।

### दिल्ली में आप की मेयर उम्मीदवार की याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में मेयर पद के लिए आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार शैली ओबेरॉय की याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। कोर्ट मामले में तीन फरवरी को सुनवाई करेगी। डॉ. शैली ओबरॉय ने याचिका दाखिल करते हुए समयबद्ध तरीके से मेयर का चुनाव कराने की मांग की थी। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर पद का चुनाव जल्द कराने के संबंध में ओबेरॉय की दलीलों पर संज्ञान लिया। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि इसे तीन फरवरी को सूचीबद्ध किया जाएगा। दरअसल, दिल्ली में आम आदमी पार्टी की मेयर उम्मीदवार डॉ. शैली ओबरॉय ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। दिसंबर में दिल्ली नगरपालिका के चुनाव हुए थे और तभी परिणाम भी आ गए थे। उसके बाद से अब तक मेयर के चुनाव नहीं हो सके हैं। जनवरी में दो बार 9 जनवरी और 24 जनवरी को मेयर चुनाव की तारीख तय की गई, लेकिन दोनों ही बार सदन हंगामे की भेंट चढ़ गया और चुनाव टल गए।

### महाराष्ट्रः मुंबई के पार्क से हटेगा टीपू सुल्तान का नाम

**मुंबई।** मुंबई के एक पार्क से मैसूर के शासक टीपू सुल्तान का नाम हटाया जाएगा। बता दें कि मुंबई उपनगरीय जिला प्रभारी मंत्री मंगल प्रभात लोढा ने जिला अधिकारी को मलाड इलाके के पार्क से टीपू सुल्तान का नाम हटाने के निर्देश दिए हैं। महाविकास अघाड़ी की सरकार के दौरान पार्क को टीपू सुल्तान का नाम दिया गया था। हालांकि भाजपा द्वारा इसका लगातार विरोध किया जा रहा था। अब प्रभारी मंत्री ने पार्क का नाम बदलने के निर्देश दिए हैं। मलाड क्षेत्र से असलम शेख विधायक हैं और महाविकास अघाड़ी की सरकार में असलम शेख मंत्री थे। असलम शेख ने विधायक कोटे से मलाड में एक पार्क का निर्माण कराया और उसका नाम मैसूर के शासक टीपू सुल्तान के नाम पर रखा। हालांकि भाजपा द्वारा पार्क का नाम टीपू सुल्तान रखने का शुरुआत से ही विरोध किया जा रहा था।

## म.प्र. के 33 जिलों में गिरा पानी: हिमाचल में बर्फबारी से 263 सड़कें बंद

### उत्तर प्रदेश राजस्थान समेत 7 राज्यों में कल से बारिश हो सकती है

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

देश में एक बार फिर बारिश का दौर शुरू हो गया है। गुरुवार को स्क्क के 33 जिलों में बारिश हुई। तेज बारिश और खराब मौसम की वजह से उज्जैन में 8वीं और शाजापुर में 5वीं तक के बच्चों की आज छुट्टी घोषित कर दी गई। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर और लाहौल स्पीति में गुरुवार को 2 जगह एवलॉन्च हुआ। प्रदेश में भारी बर्फबारी से 263 सड़कें बंद हो गई हैं। विभाग का कहना है कि 28 से 30 जनवरी तक इन राज्यों के कई जिलों में पानी गिरने की संभावना है।

### मध्यप्रदेश- बारिश की वजह से उज्जैन, शाजापुर में स्कूलों की छुट्टी

मध्यप्रदेश के कई जिलों में गुरुवार रात में बारिश का दौर जारी रहा। तेज बारिश और खराब मौसम की वजह से उज्जैन में नर्सरी से 8वीं तक के स्कूलों की आज छुट्टी घोषित की गई है। शाजापुर में भी आज 5वीं तक की छुट्टी घोषित की गई है। कलेक्टर दिनेश जैन ने इसके आदेश भी जारी कर दिए हैं। गुरुवार को इंदौर सबसे ठंडा रहा। यहां दिन का तापमान 17.8 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 19.4 डिग्री तापमान रहा। उज्जैन, धार, गुना, राजगढ़, नौगांव में भी पारा काफी कम रहा। यहां 20 डिग्री के नीच तापमान दर्ज किया गया। इधर, शुक्रवार को भोपाल-इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर समेत प्रदेश के 33 जिलों में बारिश होने के आसार है। मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार से प्रदेश में फिर एक सिस्टम एक्टिव हो रहा है। इससे फरवरी के पहले सप्ताह तक बारिश का दौर जारी रहेगा। भोपाल शहर में पिछले 24 घंटे में 0.78 एमएम बारिश रिकॉर्ड हुई है।

## डीजीसीए ने गो फर्स्ट पर लगाया 10 लाख रुपए जुर्माना:-55 यात्री को बेंगलुरु में छोड़कर दिल्ली के लिए उड़ गया था विमान

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) ने गो फर्स्ट एयरलाइन पर 10 लाख जुर्माना लगाया है। दरअसल, 9 जनवरी को गो फर्स्ट की फ्लाइट 55 यात्रियों को बेंगलुरु एयरपोर्ट पर छोड़कर दिल्ली के लिए उड़ गई थी। जांच में पाया गया कि कम्युनिकेशन में हुई दिक्कत की वजह से यह गड़बड़ी हुई।

इस घटना के बाद कुछ यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जताई थी। यात्रियों का कहना था कि बेंगलुरु में केम्पेगौडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बोर्डिंग पास लेकर यात्री बस में सवार हो गए थे। बस विमान तक पहुंची भी, लेकिन यात्रियों को इसमें नहीं बैठाया गया और विमान उन्हें छोड़कर ही उड़ गया।

गो एयर ने की थी डैमेज कंट्रोल की कोशिश

एयरपोर्ट पर 55 पैसेंजर्स को छोड़कर रवाना होने की घटना में गो फर्स्ट ने बाद में डैमेज कंट्रोल की कोशिश की थी। उसने इन यात्रियों से माफी मांगी थी, साथ ही घरेलू उड़ान में एक फ्री टिकट का ऑफर दिया था। इसे वे 12 महीने में कभी भी इस्तेमाल कर सकेंगे। गो फर्स्ट ने इस घटना में शामिल पूरे स्टाफ को जांच पूरी होने तक ड्यूटी से हटा दिया था।

### चार घंटे बाद दूसरे विमान से भेजा गया था

9 जनवरी को सुबह 5-45 बजे यात्रियों को बेंगलुरु से दिल्ली जाने वाली गो फर्स्ट की फ्लाइट त्र8-116 में सवार होना था। सिक्योरिटी चेकिंग के बाद यात्रियों को विमान तक ले जाने के लिए कुल चार बसें भेजी गई थीं। पहली दो बस आगे निकल गई। जब एयरलाइन को गलती पता चली तो एयरपोर्ट पर छूटे यात्रियों को चार घंटे बाद दूसरे विमान से दिल्ली भेजा गया।

### हाल ही में एअर इंडिया पर लगा था 30 लाख

एअर इंडिया की फ्लाइट में हुए पेशाब कांड में छ्रुत्रष्ट एयरलाइन पर एक महीने में दो बार जुर्माना लगा चुका है। पिछले साल 26 नवंबर को न्यूयॉर्क-दिल्ली फ्लाइट में नशे में एक व्यक्ति ने बुजुर्ग महिला पर पेशाब कर दी थी। इस मामले में छ्रुत्रष्ट ने एयरलाइन पर 30 लाख रुपए जुर्माना लगाया। 26 नवंबर की घटना में पायलट का लाइसेंस 3 महीने के लिए सस्पेंड कर दिया है। इस बीच आरोपी शंकर मिश्रा के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल पर लगाया गया 4 महीने का बैन गलत है।

दूसरी घटना दिसंबर की थी। एक पुरुष यात्री ने 6 दिसंबर को पेरिस से दिल्ली आ रही फ्लाइट में एक महिला यात्री की खाली सीट और कंबल पर कथित तौर पर पेशाब कर दी थी। इस पर DGCA ने 24 जनवरी को 10 लाख रुपए जुर्माना लगाया। घटना की सूचना DGCA को नहीं देने और मामले को एयरलाइन की इंटरनल कमेटी को भेजने में देर करने की वजह से यह जुर्माना लगाया गया।

### प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रेशर टालने का मंत्र दिया

## दर्शक चौका-छक्का चिल्लाते हैं पर बैट्समैन हर गेंद देखकर अपना शॉट खेलता है

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में स्टूडेंट्स से परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में बातचीत की। दो घंटे तक चले इस कार्यक्रम में मोदी ने परीक्षा और जीवन में तनाव पर बच्चों के सवालों के जबाव दिए। एग्जाम में परिवार की निराशा से कैसे निपटूं पर छात्रों को टिप्स दी।

पीएम ने घर में मां के मैंनेजमेंट, क्रिकेट की गुगली, पतंग का मांझा, पार्लियामेंट में सांसदों की नोकझोक जैसे उदाहरण देकर बच्चों को समझाया। जब एक छात्र ने एग्जाम में दबाव पर सवाल किया तो उन्होंने कहा, परिवार के दबाव से दबाव में ना आएं। कभी क्रिकेट देखने गए

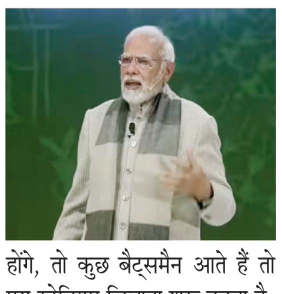

होंगे, तो कुछ बैट्समैन आते हैं तो पूरा स्टेडियम चिल्लाना शुरू करता है- चौका-चौका, छक्का-छक्का। क्या वो ऑडियंस की डिमांड के ऊपर चौके-छक्के लगाता है? चिल्लाते रहें, बैट्समैन का ध्यान बॉल पर ही होता है। बॉलर के माइंड को स्टडी करने की कोशिश करता है। जैसी बॉल है वैसा ही खेलता है। फोकस रहता है। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का यह छठा संस्करण है। इस प्रोग्राम के लिए 20 लाख से अधिक प्रश्न प्राप्त हुए।

### जगन्नाथपुरी से तन्मय- नकल से कैसे बचें?

पीएम मोदी- मुझे खुशी हुई कि हमारे विद्यार्थियों को भी यह लग रहा है कि परीक्षा में जो गलत होता है, उसका रास्ता खोजना चाहिए। मेहनती विद्यार्थियों को इसकी चिंता रहती है कि मैं इतनी मेहनत करता हूं और ये चोरी करके नकल करके गाड़ी चला लेता है। पहले भी चोरी करते होंगे लोग, लेकिन छिपकर। अब गर्व से करते हैं कि सुपरवाइजर को बुद्धू बना दिया। ये जो मूल्यों में बदलाव आया है, वो बहुत खतरनाक है। ये हम सबको सोचना होगा। कुछ लोग या टीचर्स जो ट्यूशन चलाते हैं, उन्हें भी लगता है कि मेरा स्टूडेंट अच्छी तरह निकल जाए। वो ही नकल के लिए गाइड करते हैं।

## बनिहाल में रोकी गई भारत जोड़ो यात्रा राहुल बोले पर्याप्त सुरक्षा के बिना आगे बढ़ना ठीक नहीं

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही भारत जोड़ो यात्रा जम्मू कश्मीर के बनिहाल में रोक दी गई है। कांग्रेस का आरोप है कि यात्रा के लिए पर्याप्त सुरक्षा नहीं उपलब्ध कराई गई है इस वजह से यात्रा को रोकना पड़ा है। कांग्रेस ने कहा कि जब तक हमें सुरक्षा नहीं मिलती यात्रा का आगे बढ़ाना खतरे से खाली नहीं है।

राहुल गांधी ने बताया यात्रा के दौरान पुलिस व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई थी और भीड़ को संभालने वाले पुलिस वाले कहीं नजर नहीं आ रहे थे। यात्रा पर मेरे आगे चलने से मेरे सुरक्षाकर्मी बहुत असहज थे

इसलिए मुझे अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ी। उन्होंने बताया मेरे लोगों ने मुझे यात्रा न करने की सलाह दी इसलिए मैं यात्रा से निकल गया और अन्य यात्रियों ने पदयात्रा की।

इससे पहले कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा में सुरक्षा में चूक हुई है। हमें सुरक्षा नहीं मिल रही है। ऐसे में हम राहुल गांधी को इस तरह से आगे नहीं जाने दे सकते। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी जाना भी चाहते हैं तब भी हम उन्हें आगे नहीं जाने देंगे। उन्होंने कहा कि सीनियर सुरक्षा अफसरों को यहां आना चाहिए। पिछले 15 मिनट में सुरक्षा में चूक हुई है। कांग्रेस ने कहा कि जब तक सुरक्षा नहीं मिलती तब तक आगे नहीं बढ़ेंगे।

दरअसल राहुल गांधी की यात्रा शुक्रवार 9 बजे शुरू हुई। यात्रा रामबन से अनंतनाग जानी थी। लेकिन यात्रा को बनिहाल में ही रोक दिया गया है। कांग्रेस का कहना है कि जब तक सुरक्षा नहीं मिलेगी यात्रा आगे नहीं जाएगी। इससे पहले बनिहाल में नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के साथ भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए।

### बंगाल के गवर्नर ने हेट खोरी में ममता के साथ मंच साझा किया भाजपा ने जताई नाराजगी

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस को शुक्रवार को सरस्वती पूजा के मौके पर हेट खोरी में भाग लेने के चलते भाजपा के गुस्से का सामना करना पड़ा है। इस कार्यक्रम में उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ मंच साझा किया था। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और लोकसभा सांसद दिलीप घोष ने राज्यपाल पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इस तरह के ड्रामे में पड़ना राज्यपाल को शोभा नहीं देता। घोष ने कहा मैं मानता हूं कि सभी को नई भाषा सीखने का प्रयास करना चाहिए लेकिन राज्यपाल को किसी भी ऐसे नाटक में शामिल नहीं होना चाहिए था।

## परदादा संन्यासी बाबा को अपना गुरु मानते हैं धीरेंद्र शास्त्री

**भोपाल/छतरपुर, एजेंसी।**

मध्यप्रदेश का छतरपुर जिला आमतौर पर चर्चाओं से दूर रहा है लेकिन कुछ सालों से बागेश्वर धाम के कारण दूर-दूर से यहां लोग आ रहे हैं। खासतौर पर बागेश्वर धाम सरकार कहलाने वाले धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। धीरेंद्र कृष्ण के दर्शन तक के लिए दिल्ली मुंबई जैसे शहरों से लोगों की भीड़ लग रही है। खुद को कथावाचक कहने वाले धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बागेश्वर धाम में ही एक दरबार भी लगाते हैं जहां भीड़ में बैठे लोगों में से किसी को भी वह बुला लेते हैं। उनका दावा होता है कि वह अपनी दिव्य शक्ति के जरिए किसी भी व्यक्ति के बारे में पता लगा लेते हैं।

हालांकि उनके दावों पर सवाल उठते रहे हैं और हाल ही में विवाद तेज हुआ हैं।

इस कारण हर कोई शास्त्री के बारे में जानना चाहता है। इस बीच संन्यासी बाबा के बारे में भी लोग जानने को उत्सुक हैं जिनका नाम धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अक्सर लेते रहते हैं। बागेश्वर धाम से जुड़े लोगों के मुताबिक संन्यासी बाबा दरअसल धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के परदादा थे। उन्होंने ही बागेश्वर धाम बालाजी का मंदिर बनवाया था।

### सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई कर कहा मंदिर को धार्मिक लोगों के लिए क्यों नहीं छोड़ दें

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अहोबिलम मठ मंदिर के अधिग्रहण के खिलाफ हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली आंध्र सरकार की अर्जी खारिज की। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई में कहा कि मंदिर को धार्मिक लोगों के लिए क्यों नहीं छोड़ा जाना चाहिए। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश सरकार की याचिका पर सुनवाई से मना कर दिया। हाईकोर्ट ने कुरनूल में अहोबिलम मंदिर के मामले को नियंत्रण करने के लिए कार्यकारी अधिकार नियुक्त करने के आंध्र सरकार के फैसले पर कहा कि यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद-26 (डी) का उल्लंघन है।

## सिंधु जल संधि पर घिरा पाकिस्तान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सितंबर 1960 की सिंधु जल संधि में संशोधन को लेकर भारत ने पाकिस्तान को नोटिस जारी किया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को अक्षरशः लागू करने में भारत दृढ़ समर्थक, जिम्मेदार भागीदार रहा है। पाक की कार्रवाइयों ने सिंधु संधि के प्रावधानों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। इस वजह से भारत को नोटिस जारी करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इस नोटिस का उद्देश्य पाकिस्तान को सिंधु जल संधि के उल्लंघन को सुधारने के लिए 90 दिनों के भीतर अंतर-सरकारी वार्ता में प्रवेश करने का अवसर प्रदान करना है। यह प्रक्रिया पिछले 62 वर्षों में स्थिति बदलने के अनुसार सिंधु जल संधि को अपडेट भी करेगी।

### पाकिस्तान बार-बार सिंधु जल संधि पर चर्चा करने से करता रहा है इनकार

पारस्परिक रूप से सहमत तरीके से आगे बढ़ने के लिए भारत द्वारा बार-बार प्रयास करने के बावजूद, पाकिस्तान ने 2017 से 2022 तक स्थायी सिंधु आयोग की पांच बैठकों के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा करने से इनकार कर दिया।पाकिस्तान के निरंतर आग्रह

### अब भारत ने जारी कर दिया नोटिस

पर, विश्व बैंक ने हाल ही में तटस्थ विशेषज्ञ और कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन प्रक्रियाओं दोनों पर कार्रवाई शुरू की है। समान मुद्दों पर इस तरह के समानांतर विचार सिंधु जल समझौते के किसी भी प्रावधान के अंतर्गत नहीं आते हैं। दरअसल, सिंधु जल संधि के प्रावधानों के तहत सतलज, व्यास और रावी का पानी भारत को और सिंधु, झेलम और चिनाब का पानी पाकिस्तान को दिया गया है। भारत और पाकिस्तान ने नौ सालों की बातचीत के बाद 19 सितंबर 1960 में सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें विश्व बैंक भी एक हस्ताक्षरकर्ता (सिग्नेटरी) है। दोनों देशों के जल आयुक्तों को साल में दो बार मुलाकात करनी होती है और परियोजना स्थलों एवं महत्त्वपूर्ण नदी हेडवर्क के तकनीकी दौरे का प्रबंध करना होता है।

## दुनिया की पहली नेजल कोरोना वैक्सीन अब निजी अस्पतालों में होगी उपलब्ध

**नई दिल्ली।** भारत बायोटेक की कोविड रोधी नेजल वैक्सीन iNCOVACC बहुत जल्द निजी अस्पतालों में उपलब्ध होगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने दुनिया की पहली नेजल वैक्सीन को लॉन्च किया था। अब इस कोविड वैक्सीन को कोविन पोर्टल पर लिस्ट कर दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि iNCOVACC पहले निजी अस्पतालों में उपलब्ध कराई जाएगी। अब लोगों के मन में ये सवाल उठने स्वाभाविक हैं कि इस टीके की कीमत कितनी है और कौन लोग इसके लिए पात्र होंगे मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिलहाल यह वैक्सीन 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों को दी जाएगी। खास बात यह

है कि iNCOVACC को बूस्टर डोज के तौर पर ही दिया जाएगा। जो लोग कोविड टीके की दो डोज ले चुके हैं, वही इसके लिए पात्र होंगे। इस टीके को प्राइमरी वैक्सीन के रूप में भी देने की मंजूरी मिली है। भारत बायोटेक ने iNCOVACC नेजल वैक्सीन की कीमत की जानकारी भी दी है। कंपनी के मुताबिक, केंद्र या राज्य सरकारों को यह वैक्सीन 325 रुपये प्रति शॉट में मिलेगी।

# एक रिपोर्ट से अडाणी को 1.44 लाख करोड़ का नुकसान

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

कंपनियों पर कर्ज की रिपोर्ट के बाद अडाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयर्स में गिरावट का दौर जारी है। अडाणी टोटल गैस और अडाणी ट्रांसमिशन के शेयर्स में 20-20त्न की गिरावट आई है।? गिरावट का ये दौर तब शुरू हुआ, जब फोरेंसिक फाइनेंशियल रिसर्च फर्म हिंडेनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में अडाणी ग्रुप पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया। अडाणी ग्रुप पर इसका बड़ा असर पड़ा है। अडाणी की नेटवर्थ बुधवार से अब तक यानी 3 दिन में 10त्न से ज्यादा कम हो गई है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक अडाणी को 1.44 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है। अडाणी की कंपनियों की मार्केट कैप भी कम हुई है, जिसके चलते निवेशकों को 2.75 लाख करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है। फोरेंसिक फाइनेंशियल रिसर्च फर्म हिंडेनबर्ग ने बुधवार को जारी रिपोर्ट में बताया कि अडाणी ग्रुप की सभी 7 प्रमुख लिस्टेड कंपनियों पर काफी ज्यादा कर्ज है। ग्रुप की सभी कंपनियों के शेयर 85त्न से ज्यादा ओवरवैल्यूड भी हैं। अडाणी ग्रुप ने शेयरों में हेरफेर की। अकाउंटिंग में धोखाधड़ी की गई है। अडाणी ग्रुप कई दशकों से मार्केट मैनिपुलेशन, अकाउंटिंग फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग कर रहा है। अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग के खिलाफ शेयर बिक्री को नुकसान पहुंचाने के मामले में अडाणी ग्रुप लीगल एक्शन लेने का विचार कर रहा है। लीगल एक्शन को लेकर हिंडनबर्ग ने कहा कि वह पूरी तरह से अपनी रिपोर्ट के साथ खड़ा है और अडाणी ग्रुप द्वारा किसी भी कानूनी कार्रवाई का स्वागत करेगा। उन्होंने आगे कहा कि अगर अडाणी गंभीर हैं, तो उन्हें अमेरिका में भी मुकदमा दायर करना चाहिए, जहां हम काम करते हैं। हमारे पास कानूनी प्रक्रिया में मांगे जाने वाले दस्तावेजों की एक लंबी लिस्ट है।

## मोरबी पुल हादसे में 1262 पन्नों की चार्जशीट दाखिल

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

गुजरात के मोरबी शहर में पिछले साल अक्टूबर में एक झूला पुल टूटने की घटना में पुलिस ने शुक्रवार को आरोप पत्र दाखिल कर दिया। इस हादसे में 135 लोग मारे गए थे। पुलिस उपाधीक्षक पी एस जाला ने मोरबी सत्र अदालत में 1,200 पन्नों का आरोप पत्र दायर किया। जाला मामले के जांच अधिकारी हैं। सूत्रों के मुताबिक, मोरबी में झूला पुल गिरने की घटना के सिलसिले में जेल में बंद नौ आरोपियों के अलावा ओरेवा ग्रुप के मालिक जयसुख पटेल को आरोप पत्र में दसवें आरोपी के रूप में नामजद किया गया है। अजंता मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड (ओरेवा ग्रुप) मोरबी में मच्छू नदी पर बने ब्रिटिश काल के इस झूला पुल का संचालन करती थी। मजिस्ट्रेट अदालत 30 अक्टूबर 2022 को हुए इस हादसे को लेकर जयसुख पटेल के खिलाफ पहले ही गिरफ्तारी वारंट जारी कर चुकी है। पटेल की अग्रिम जमानत याचिका पर एक फरवरी को सुनवाई होगी।

# अब एक फरवरी से नहीं चलेंगी 15 साल पुरानी पेट्रोल व 10 साल पुरानी डीजल गाड़ियां

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

स्क्रैपीज पॉलिसी के तहत अब गौतमबुद्ध नगर में भी परिवहन विभाग ने सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। अब नोएडा और ग्रेटर नोएडा में एक फरवरी से 15 साल पुरानी पेट्रोल और 10 साल पुरानी डीजल गाड़ियों को जब्त कर स्क्रैप किया जाएगा। इससे पहले एनजीटी के आदेश पर परिवहन विभाग ने बड़ी संख्या में पेट्रोल और डीजल गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन रद्द किया था। अब इन वाहनों को पकड़कर जब्त किया जाएगा। केंद्र सरकार की ओर से जारी स्क्रैपीज पॉलिसी में लोगों के दिलचस्पी न दिखाने के बाद परिवहन विभाग ने ये सख्ती बरतने का निर्णय लिया है। परिवहन विभाग ने अब तक जिले में 1 लाख 19 हजार 612 ऐसे वाहनों का रजिस्ट्रेशन निरस्त किया है जो 15 साल पुराने हैं। अब इन्हें जब्त करने का विशेष अभियान चलाया जाएगा। विभाग ने इसके लिए 6 टीमें भी गठित की हैं। एआरटीओ सियाराम वर्मा ने बताया कि 15 साल पुरानी सभी गाड़ियों के मालिकों को नोटिस दो महीने पहले ही

# इजरायली हमले में 9 फिलिस्तीनियों की मौत, दर्जनों घायल: मरने वालों में बुजुर्ग महिला भी शामिल

वेस्ट बैंक में गुरुवार को इजरायल की तरफ के किए गए हमले में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 16 लोग घायल हो गए हैं। मरने वालों में एक बुजुर्ग महिला भी शामिल है। हेल्थ ऑफिशियल्स के मुताबिक वेस्ट बैंक के जेनिन रेफ्यूजी कैंप के पास इजरायली हमले के बाद हालात काफी गंभीर हैं। घायल लोगों को लगातार अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है।

### रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ लोगों

की इजरायल की एयर रेड, तो कुछ लोगों की सैनिकों के साथ भिड़ंत के दौरान मौत हुई। इजरायल ने इस हमले के बारे में बस इतना कहा कि उनके सैनिक इस इलाके में ऑपरेशन चला रहे हैं।

### घायलों तक नहीं पहुंच पा रही एंबुलेंस

फिलिस्तीन के हेल्थ मिनिस्टर ने दावा किया है कि जेनिन में इजरायल की एयर रेड में एक अस्पताल के चिल्ड्रन वॉर्ड भी हमला हुआ है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि घायलों को बचाने के लिए एंबुलेंस भी हमले वाली जगह पर नहीं पहुंच पा रही हैं।जेनिन पब्लिक हॉस्पिटल के हेड विसाम बेकर ने अलजजीरा को बताया कि एक एंबुलेस ड्राइवर जब घायल को उठाने की कोशिश कर रहा था, तो इजरायली फोर्सेस ने उस पर भी हमला कर दिया।

### फिलिस्तीन के प्रधानमंत्री ने UN से दखल की अपील की

फिलिस्तीन के प्रधानमंत्री मोहम्मद शतयेह ने हमले की निंदा की है। उन्होंने ह और सभी मानवाधिकार संगठनों से मांग की है कि वो इस मामले दखल दें और फिलिस्तीन के लोगों और बच्चों का कत्लेआम रोकें। वहीं हमास के लीडर सालेह अल- अरोरी ने कहा कि इस हमले का जवाब दिया जाएगा

### नेतन्याहू के फिर से PM बनने के बाद हमले बढ़े

इजरायल में पिछले महीने दोबारा से बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार बनी है। जिसे इजराइल में अब तक की सबसे कट्टरपंथी सरकार कहा जा रहा है। गठबंधन सरकार में शामिल दूसरी पार्टियां वेस्ट बैंक या पश्चिमी किनारे से फिलिस्तीनियों की बस्तियां मिलिट्री की मदद से हटाना चाहती हैं। इससे दोनों देशों के बीच संघर्ष और बढ़ गया। इसके बाद से इजरायली हमले भी बढ़े हैं।

# मां की मौत पर छुट्टी ली-लौटने तक जॉब गई

**कैलिफोर्निया।** दुनिया भर में बड़ी टेक कंपनियों में छंटनी हो रही है। इसी बीच गूगल ने भी 12 हजार लोगों को नौकरी से निकालने की घोषणा की। जिन लोगों की छंटनी हुई, वह अपने बुरे अनुभव सोशल मीडिया में शेयर कर रहे हैं। गूगल से निकाले गए सॉफ्टवेयर इंजीनयर टोमी यॉर्क ने कहा कि मां की मौत के बाद मैं लंबी छुट्टी पर था। 4 दिन पहले काम पर लौटा तो नौकरी से निकाले जाना का पता चला। यह ठीक ऐसा ही है कि जब आप डिप्रेशन से गुजर रहे हों, तभी आपको निशाना बनाया जाए। टोमी ने पोस्ट में कहा, मैं थक गया हूं और निराश हूं। गूगल से निकाले जाने की मैंने बुरी से बुरी कहानियां सुनी हैं। कई ऐसे लोगों को निकाला गया, जो माता-पिता बनने वाले थे। ऐसी स्थिति में नौकरी से निकाला जाना, चेहरे पर थप्पड़ मारने जैसा है। मेरी मां की मौत कैंसर से हुई। गूगल जैसी बड़ी कंपनियों के साथ काम करने के मौके तो कई मिलेंगे, लेकिन मां-बाप की मौत एक बार होती है। अच्छा हुआ कि मां के अंतिम समय में मैंने अपना सारा समय उनके साथ बिताया। किसी ऐसी कंपनी के लिए ज्यादा काम नहीं किया, जो अचानक हजारों लोगों को निकाल देती है।

### गूगल ने एक साथ 12 हजार कर्मचारियों को निकाला

गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट Inc ने 20 जनवरी को 12 हजार कर्मचारियों को निकालने की घोषणा की। अल्फाबेट के चीफ एग्जीक्यूटिव ने स्टाफ मेमो में इस बात की जानकारी दी। हाल ही में अल्फाबेट के राइवल माइक्रोसॉफ्ट कॉर्प ने कहा था कि इस हफ्ते कंपनी अपनी 5त्न वर्कफोर्स (11,000 के करीब) को निकाल सकती है। माइक्रोसॉफ्ट और अल्फाबेट में बड़े स्तर पर छंटनी की खबरों से टेक्नोलॉजी सेक्टर में हलचल मच गई है।

### अल्फाबेट के CEO सुंदर पिचाई ने क्या कहा?

अल्फाबेट के CEO सुंदर पिचाई ने नोट में कहा, गूगलर्स, मेरे पास शेयर करने के लिए कुछ डिफिकल्ट न्यूज है। हमने अपने वर्ल्डवाइड वर्कफोर्स में से लगभग 12,000 रोल्स को कम करने का फैसला किया है।

# US सेना ने IS सीनियर लीडर बिलाल को मार गिराया: 10 आतंकी भी मारे

**मोगादिशु।** अमेरिकी सेना ने नॉर्थ सोमालिया में एक ऑपरेशन के दौरान इस्लामिक स्टेट (IS) के 10 आतंकियों को मार गिराया है। न्यूज एजेंसी,क्क के मुताबिक, 26 जनवरी को सोमालिया के एक इलाके में हेलिकॉप्टर हमले में ढ्ढस् का एक सीनियर लीडर बिलाल अल-सुदानी भी मारा गया है। इस बारे में जानकारी देते हुए डिफेंस सेक्रेटरी लॉयड ऑस्टिन ने कहा- इस कदम से अमेरिका और हमारे सहयोगियों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। हमारे लिए विदेशों में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा करना प्राथमिकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमले में किसी नागरिक और अमेरिकी सैनिक के घायल होने या मरने की खबर नहीं है। युवाओं को आतंकी संगठन में भर्ती करता था बिलाल एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि बिलाल अल-सुदानी ग्लोबल टेररिस ऑर्गेनाइजेशन ढ्ढस् और अफगानिस्तान के ढ्ढस्ढ्ढस्-च संगठन को वित्तीय सहायता पहुंचाता

था। वो पूरे अफ्रीका में ISIS के विस्तार और अन्य गतिविधियों को अंजाम की योजना बना रहा था।

पिछले कई सालों से बिलाल स् इंटेलिजेंस के निशाने पर था। स् ट्रेजरी डिपार्टमेंट के मुताबिक, बिलाल ढ्ढस् ऑपरेटर अब्देला हुसैन अबादिग्गा के साथ मिलकर साउथ अफ्रीका में युवाओं की भर्ती करता था। उन्हें ट्रेनिंग कैंप भेजता था। अल-सुदानी को 2012 में सोमालिया में सक्रिय आतंकी संगठन अल-शबाब के साथ मिलकर काम करने के लिए स् ट्रेजरी विभाग ने अपनी आतंकियों की लिस्ट में शामिल किया था। वो विदेशी लड़ाकों को अल-शबाब ट्रेनिंग कैंप तक पहुंचने में मदद करता था।

### 22 जनवरी को मारे थे 30 आतंकी

पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आतंकियों को मारने वाले इस मिशन को अप्रूव किया था। इसके बाद 22 जनवरी को अमेरिका ने सोमालिया पर एयर स्ट्राइक कर दी थी। हमले में लगभग 30 अल-शबाब लड़ाके मारे गए थे। यह हमला सोमालिया की राजधानी मोगादिशू से 260 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में गलकाड के पास हुआ था।

### क्या है अल-शबाब

अल-शबाब का जन्म 2006 में हुआ। ये सऊदी अरब के वहाबी इस्लाम को मानता है। मोगादिशू शहर यूनियन ऑफ इस्लामिक कोर्ट्स के कब्जे में था, जो कि शरिया अदालतों का एक संगठन था। इसका मुखिया शरीफ शेख अहमद था। 2006 में इथियोपिया की सेना ने इस संगठन को हरा दिया और अल-शबाब का जन्म हुआ।

# देश-दुनिया में कोरोना का खतरा: चीन के गांवों में अंतिम संस्कार के लिए ताबूत कम पड़े

कोरोना ने चीन के बड़े शहरों और कस्बों के साथ-साथ गांवों में भी भयंकर तबाही मचानी शुरू कर दी है। क्चक्चष्ट ने एक रिपोर्ट में दावा किया है कि चीन के गांवों में कोरोना से काफी लोगों की जान गई है। कुछ ही दिनों में इतने लोगों का अंतिम संस्कार हुआ है कि उत्तरी शांक्सी प्रोविंस में लोगों को दफनाने के लिए ताबूतों की भी कमी हो गई है। BBC ने कई ताबूत बनाने वाले लोगों से बात की। सभी लोगों ने यही बताया कि कोरोना वायरस हो रही मौतों के बीच ज्यादा अंतिम संस्कार हो रहे हैं। मरने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। भारत में गुरुवार को कोरोना के 88 नए मामले सामने आए। हेल्थ मिनिस्ट्री के आंकड़ों के मुताबिक, देश में अभी 1906 एक्टिव केस हैं। महामारी की शुरुआत से अब तक देश में 5 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। साथ ही 4 करोड़ से ज्यादा लोग वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। इसी बीच आज भारत में आज स्वदेशी फार्मा कंपनी भारत बायोटेक दुनिया की पहली इंट्रानेजल कोविड-19

वैक्सीन लॉन्च की। इसका नाम जापान~ एक दिन में 410 लोगों की मौत हुई जापान में गुरुवार को कोरोना के 59885 कोरोना के केस दर्ज किए गए हैं। राजधानी टोक्यो में ही कुल 5061 केस दर्ज किए गए, जबकि एक दिन में 410 लोगों की मौत हुई है। जापान में गुरुवार को कोरोना के कारण अस्पताल में भर्ती होने वाले लोगों की संख्या में भी कमी आई है। गुरुवार को 585 लोग अस्पताल में भर्ती हुए। इसी बीच जापान ने तय किया है कि वो 8 मई से कोरोना को नॉर्मल फ्लू की कैटेगरी में शामिल करेंगे। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा का कहना है कि इससे जनता कोरोना को नॉर्मल मानेगी और वायरस के साथ जीना सीखेगी।

# अमेरिका में पुलिस पर अश्वेत की हत्या के आरोप

**वॉशिंगटन।** अमेरिका के टेनेसी राज्य के मेम्फिस शहर में पांच पुलिस वालों पर एक 29 साल के अश्वेत युवक की हत्या के आरोप लगे हैं। युवक का नाम टायर निकोलस था। रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिसवालों ने उस युवक को सिर्फ रैश ड्राइविंग करने पर सेकेंड डिग्री टॉर्चर दिया। उस लातें मारीं, टेजर गन से शॉक दिए और बेरहमी से पीटा। घटना के तीन दिन बाद टायर निकोलस ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। उसकी मौत के बाद से मेम्फिस शहर में लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। आज शाम तक मेम्फिस पुलिस डिपार्टमेंट एक वीडियो फुटेज जारी करने वाला है। इसमें दिखाया जाएगा की निकोलस को किस तरह से टॉर्चर किया गया था।

### बाइडेन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की

आज शाम को वीडियो फुटेज जारी होगा। इससे पहले पूरे मेम्फिस शहर में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। लोगों का गुस्सा हिंसा में न बदल जाए इसके लिए पुलिस की गाड़ियां जगह-जगह पैट्रोलिंग कर रही हैं। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बयान जारी कर लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा- मैनें निकोलस के परिवार से बातचीत कर उन्हें शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने की बात कही है। मैं समझता हूं कि घटना ऐसी थी जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है, लेकिन हिंसा किसी भी तरह स्वीकर नहीं होगी।

### पूरी घटना कैसे हुई?

परिवार वालों के मुताबिक टायर निकलोस अपने घर से लोकल पार्क के लिए सनसेट की फोटोज खींचने के लिए गया था। जब वह वापस लौट रहा था उसी दौरान पांच अश्वेत पुलिसवालों ने उसकी कार को रोका। अधिकारियों के मुताबिक उसे रैश ड्राइविंग करने के आरोप में अपने घर से 100 यार्ड की दूरी पर पकड़ा गया था। इसके बाद पांचों पुलिसवालों ने उसकी आंखों में पैपर स्प्रे मारा, उसे पीटा और अपने साथ ले गए। पुलिस वालों पर निकोलस को सेकेंड डिग्री टॉर्चर देने के भी आरोप लगे हैं। वहीं पुलिस डिपार्टमेंट ने बयान जारी कर बताया है कि जब पुलिस ने निकोलस की कार को रोकने की कोशिश की तो वो भागने लगा। इस दौरान पांचों पुलिसवालों और निकोलस के बीच हाथापाई हो गई। जिसके बाद उसने सांस लेने में परेशानी की शिकायत की और उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

### पांचों पुलिस वाले कौन थे ?

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक टायर निकोलस को मारने वाले 5 पुलिस वालों के नाम ये हैं।

# तंगहाल पाकिस्तान ने सांसदों का फंड बढ़ाया

इस्लामाबाद आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान की मुसीबतें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन पाकिस्तानी रुपया डॉलर के मुकाबले 11.17 रुपए नीचे लुढ़क गया।

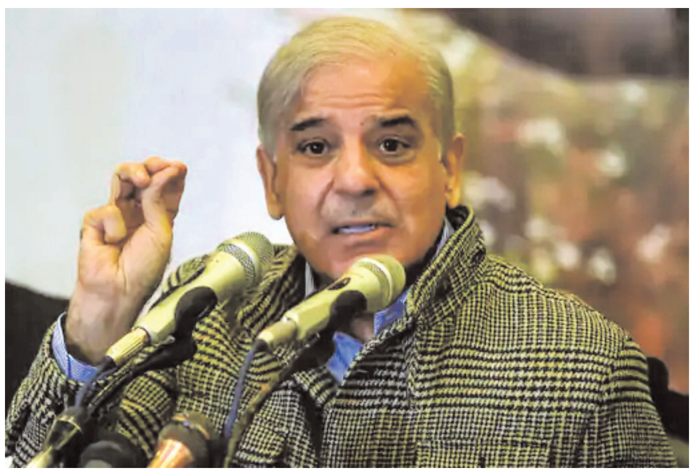

यानी पाकिस्तान को कुछ भी आयात करने के लिए अब प्रति डॉलर के हिसाब से 266 रुपए देने होंगे। इसी बीच पाकिस्तान के सांसदों को मिलने वाले फंड में 30त्न तक का इजाफा कर दिया गया है। बुधवार को यह फैसला इकॉनोमिक कोऑर्डिनेशन कमेटी (श्चष्ट) की बैठक के बाद लिया गया। डॉन की की रिपोर्ट के मुताबिक 100 करोड़ रुपए तो केवल पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट के जजों के घरों और रेस्ट हाउस की मेंटेनेंस के लिए दिए गए हैं।

### पाकिस्तान के विकास के लिए 90 हजार करोड़ रुपए देंगे

ECC की बैठक में फैसला किया गया है कि डेवलपमेंट फंड के तौर पर वहां के सांसदों को 90 हजार करोड़ पाकिस्तानी रुपए दिए जाएंगे। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार वित्त मंत्री इशाक डार की अध्यक्षता में श्चष्ट की बैठक हुई थी। बैठक में प्रेग्नेंसी टेस्ट में इस्तेमाल की जाने वाली दवाईयों के दाम में 25 प्रतिशत वृद्धि को भी मंजूर किया गया है। दूसरी ओर बैठक ने 54 दूसरी दवाओं के दाम निर्धारित करने के फैसले को स्थगित कर दिया है।

### लोगों को डर- 300 रुपए प्रति लीटर न पहुंच जाए पेट्रोल

डॉन ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि जिस तरह से पाकिस्तानी रुपए में दो दिनों के भीतर 10त्न से ज्यादा की गिरवाट दर्ज की गई है, ऐसे में वहां चीजों के दामों में तो बढ़ोतरी होगी ही साथ ही ब्याज दरों में भी इजाफा होगा। पाकिस्तान में कोरांगी एसोशिएशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष को डर है कि वहां पैट्रोल के दाम 300 रुपए प्रति लीटर भी हो सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक 16 जनवरी से पाकिस्तान में पेट्रोल 214 रुपए प्रति लीटर के हिसाब से मिल रहा है। व्यापारियों को डर है कि जैसे ही लोन लेना महंगा होगा तभी पाकिस्तान में इंडस्ट्रीज बंद हो जाएंगी और लोगों को नौकरी से निकाला जाएगा।

### पाकिस्तान में पेट्रोल के दाम बढ़वाना चाहता है IMF

पाक सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (ढ्ढरूस्न) से 6 अरब डॉलर की मदद मांगी थी लेकिन उसने पेट्रोल, डीजल के दाम बढ़ाने की शर्तें रखी हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते दुनिया भर में एनर्जी कीमतों में वृद्धि के बीच पाकिस्तान में पिछली इमरान सरकार ने एनर्जी कीमतों में सब्सिडी का ऐलान कर दिया था। अब इस साल चुनाव को देखते हुए शहबाज शरीफ सरकार कीमतें बढ़ाने जैसा कोई अलोकप्रिय कदम उठाने में हिचक रही है।

### क्राईम ब्रांच तथा थाना बरेला एंव पाटन पुलिस की संयुक्त कार्यवाही

# सट्टा लिखते 4 सटोरिये रंगे हाथ पकड़े गये, नगद 17 हजार 930 रूपये जप्त

**जबलपुर।** पुलिस अधीक्षक जबलपुर श्री सिद्धार्थ बहुगुणा (भा.पु.से.) द्वारा जिले मे पदस्थ समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को संगठित जुआ, सट्टा खिलाने वालों को चिन्हित करते हुये उनके विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु आदेशित किया गया है। आदेश के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री शिवेश सिंह बघेल, अति. पुलिस अधीक्षक शहर उत्तर/ यातायात श्री प्रदीप कुमार शेण्डे, एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध श्री समर वर्मा तथा उप पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीमति अपूर्वा किलेदार, एसडीओपी पाटन सुश्री सारिका पाण्डे के मार्ग दर्शन में क्राईम ब्रांच तथा थाना बरेला एंव पाटन की टीम द्वारा 4सटोरिये को सट्टा लिखते हुये रंगे हाथ पकडते हुये 17 हजार 930 रूपये जप्त किये गये है। थाना प्रभारी बरेला श्री अनिल पटेल ने बताया कि आज दिनांक 27-1-23 की शाम क्राईम ब्रांच को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि बस स्टेण्ड स्थित अंकित लाईट दुकान के पास एक युवक अवैध लाभ अर्जित करने हेतु सट्टा लेख कर रहा है सूचना पर क्राईम ब्रांच एव थाना बरेला की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई जहां मुखबिर के बताये हुलिये का युवक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया जिसने नाम पता पूछने पर अपना नाम अंकित सोनकर उम्र 26 वर्ष निवासी बार्ड नम्बर 10 बस स्टेण्ड बरेला बताया जिसे सूचना से अवगत कराकर तलाशी लेते हुये कब्जे से 2 सट्टा पट्टी जिसमें कल्याण ओपन एवं मोर्निंग ओपन लिखा है तथा 9 हजार 920 रूपये, जप्त करते हुये आरोपी अंकित सोनकर के विरूद्ध धारा 4 क सट्टा एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। उल्लेखनीय भूमिका- सट्टा लिखते हुये सटोरिये को रंगे हाथ गिरफ्तार करने में सहायक उप निरीक्षक संतोष यादव , आरक्षक चंद्रशेखर, सतवन मरावी एवं क्राईम ब्रांच के सहायक उप निरीक्षक प्रमोद पाण्डेय, प्रधान आरक्षक रामगोपाल विश्वकर्मा, अमित श्रीवास्तव, आरक्षक खेमचंद प्रजापति की सराहनीय भूमिका रही। इसी प्रकार थाना प्रभारी पाटन श्री आसिफ इकबाल ने बताया कि आज दिनॉक 27-1-23 को क्राईम ब्रांच को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि पाटन जनपद पंचायत कार्यालय के सामने रोड पर कुछ लोग अवैध लाभ अर्जित करने हेतु सट्टा पट्टी लिख रहे है। सूचना पर क्राईम ब्रांच एवं थाना पाटन की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी जहॉ एक युवक एवं 2 व्यक्ति सट्टा लिखते हुये दिखे जिन्हें घेराबंदी कर पकडा एवं नाम पता पूछा तीनों ने अपने नाम महेन्द्र बर्मन उम्र 35 वर्ष निवासी कटरा मोहल्ला पाटन, दीपक नामदेव उम्र 39 वर्ष निवासी सिविल लाईन पाटन तथा अजय ठाकुर उम्र 18 वर्ष निवासी साहू कालोनी पाटन बताये तीनों के कब्जे से सट्टा पट्टी एवं नगद 8 हजार 10 रूपये जप्त करते हुये पूछताछ करने पर तीनों ने शिवेन्द्र लोधी ठाकुर उर्फ शिब्बू उम्र 48 वर्ष निवासी बाजार वार्ड पाटन के लिये सट्टा लिखना बताये। महेन्द्र बर्मन, दीपक नामदेव, अजय ठाकुर तथा शिवेन्द्र लोधी ठाकुर उर्फ शिब्बू के विरूद्ध धारा 4 क सट्टा एक्ट एवं 109 भादवि के तहत कार्यवाही करते हुये शिवेन्द्र लोधी ठाकुर उर्फ शिब्बू की तलाश जारी है। उल्लेखनीय भूमिका- सट्टा लिखते हुये सटोरियें को रंगे हाथ गिरफ्तार करने में सहायक उप निरीक्षक साहब सिंह पटेल एवं क्राईम ब्रांच के सहायक उप निरीक्षक वीरेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक बालगोविन्द शर्मा , नीरज तिवारी, सादिक अली , प्रभात सिंह परिहार, आरक्षक जयप्रकाश तिवारी की सराहनीय भूमिका रही।

जबलपुर में पदस्थ उप निरीक्षक सुनीता पंच को औरंगाबाद महाराष्ट्र में आयोजित राष्ट्रीय पावर लिफ्टिंग बेंच प्रेस प्रतियोगिता में ''गोल्ड मेडल'' प्राप्त करने पर पुलिस अधीक्षक जबलपुर श्री सिद्धार्थ बहुगुणा ने बधाई देते हुये कहा कि आपने जबलपुर पुलिस का ही नहीं, पूरे मध्य प्रदेश पुलिस का नाम रोशन किया है। जिला जबलपुर में पदस्थ महाकौशल खेल रत्न तथा विक्रम अवार्ड प्राप्त उप निरीक्षक सुनीता पंच को दिनॉक 15-1-2023 से 20-1-2023 तक औरंगाबाद महाराष्ट्र में आयोजित सब जूनियर, जूनियर, सीनियर, मास्टर्स ओपन नेशनल पावर लिफिटंग बेंच प्रेस प्रतियोगिता में 76 किलो भार वर्ग में बेच प्रेस में ''गोल्ड मैडिल'' प्राप्त करने पर पुलिस अधीक्षक जबलपुर श्री सिद्धार्थ बहुगुणा (भा.पु.से.) द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में उज्वल भविष्य की कामना करते हुये बधाई देते हुये कहा कि आपने जबलपुर पुलिस का ही नही, पूरे मध्य प्रदेश पुलिस का नाम रौशन किया है, आशा है भवष्यि में भी इसी प्रकार विभाग का नाम रौशन करती रहेंगी।

## अपनी मखमली और खनकती आवाज से हजारों की संख्या में मौजूद श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया

**जबलपुर।** गणतंत्र दिवस की शाम आयुर्वेद कॉलेज ग्राउंड, ग्वारीघाट में आयोजित भारत पर्व पर प्रख्यात गायक पद्मश्री से सम्मानित सोनू निगम ने अपनी मखमली और खनकती आवाज से हजारों की संख्या में मौजूद श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। भारत पर्व का शुभारम्भ सांसद श्री राकेश सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संतोष बरकड़े, विधायक श्री अशोक रोहाणी एवं कलेक्टर सौरभ कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया । भारत पर्व के शुभारम्भ पर सांसद श्री सिंह ने अपने संबोधन में उपस्थित नागरिकों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं और पद्मश्री सोनू निगम का संस्कारधानीवासियों की ओर से स्वागत किया। जबलपुर में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान गणतंत्र दिवस समारोह का आगाज करने पहुंचे। शाम करीब 6 बजे वे डुमना हवाई अड्डे पहुंचे जहां भाजपा सांसद राकेश सिंह, सुमित्रा वाल्मीक और विधायकों समेत बीजेपी के नेताओं और पदाधिकारियों ने उनकी आगवानी की। सीएम संस्कार धानी में दो दिवसीय दौरे पर हैं। जहां वे गुरूवार को गैरीसन ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने दमोहनाका क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की यहां उन्होंने मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना के लाभार्थी बच्चों के साथ संवाद किया। वहीं एमएलबी ग्राउंड में आयोजित लाड़ली लक्ष्मी योजना की लाभार्थी लाड़लियों से भी मिले।

### 24 घंटे में एक्टिव होगा नया सिस्टम

# एमपी-यूपी समेत 12 राज्यों में बारिश, 11 में घने कोहरे का अलर्ट, पहाड़ों पर बर्फबारी

फरवरी से पहले देशभर के मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। दक्षिण समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में तेज ठंड के साथ बारिश और ओलावृष्टि देखने को मिल रही है। पिछले 24 घंटों में कई राज्यों में मध्यम से तेज बारिश हुई और कहीं कहीं तो ओले भी गिरे। वही पहाड़ों पर भी बर्फबारी का दौर जारी है।

भारतीय मौसम विभाग की मानें तो 28 जनवरी को नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिससे एक बार फिर कई राज्यों के मौसम के बिगड़ने का अनुमान है।आज एमपी-यूपी समेत 12 राज्यों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों में 28 जनवरी तक 3 से 5 डिग्री की गिरावट आएगी। इसके बाद दो दिनों के दौरान तापमान 3 से 5 डिग्री तक बढ़ सकता है। मध्य प्रदेश में 28 जनवरी तक तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट देखी जा सकती है। महाराष्ट्र के इलाकों में 29 जनवरी तक तापमान में कोई बदलाव देखने को नहीं मिलेगा।इसके अलावा उत्तराखंड में 29 और 30 जनवरी को भारी बारिश के साथ ही ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर पश्चिम भारत के राज्यों में 28 से 30 जनवरी के बीच बारिश की गतिविधियां में तेजी देखने को मिलेगी। 28 से उत्तर पश्चिम भारत के राज्यों में बारिश शुरू होगी और 29 जनवरी को गतिविधियों में तेजी आएगी। राजस्थान के पश्चिमी हिस्सों और पंजाब के सुदूर इलाकों में शीतलहर तो पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में घने से बहुत घना कोहरा रह सकता है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अगले 48 घंटों तक घने कोहरे का पूर्वानुमान है।

# मुख्यमंत्री ने जबलपुर में गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्र ध्वज फहराया, की घोषणाएँ

- मध्यप्रदेश के विकास के लिये हर नागरिक अपनाए एक नेक कार्य
- 17 करोड़ हाथ आगे बढ़ा कर बनायें मध्यप्रदेश
- जबलपुर के निकट भटौली क्षेत्र में बनेगा इंडस्ट्रियल टाउन
- औद्योगिक विकास की रफ्तार होगी तेज
- भोपाल के बाद अब जबलपुर में बनेगा ग्लोबल स्किल पार्क
- महाकौशल के विकास पर विशेष फोकस
- रविदास जयंती से हितग्राहियों को मिलेंगे योजनाओं के लाभ

**भोपाल।** मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिहं चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश को आगे बढ़ाने और विकास के लिये हर नागरिक अपना योगदान दे। मध्यप्रदेश के नागरिक कोई एक नेक कार्य अपनाएँ। इनमें पौधे लगाना, पर्यावरण-संरक्षण पानी बचाना, बिजली की बचत, नशामुक्ति शामिल हों। जनता के सहयोग से ही मध्यप्रदेश को आगे बढ़ाएंगे। हर नागरिक सर्वश्रेष्ठ योगदान दे। जन-भागीदारी के मंत्र से आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश का निर्माण करें। सरकार के साथ सभी के सहयोग से हमें मध्यप्रदेश बनाना है। प्रदेश के साढ़े आठ करोड़ नागरिकों के 17 करोड़ हाथ आगे आयें और विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य को पूरा करने में सहयोग करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज जबलपुर में गैरीसन ग्राउंड में गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद जनता को संबोधित कर रहे थे।

**नर्मदा मैया का कॉरिडोर, घाट परस्पर जुड़ेंगे:** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि संस्कारधानी जबलपुर में आकर मन प्रसन्न है। कल संध्या के समय नर्मदा जी के घाट पर जाने का अवसर मिला। नर्मदा मैया हम सभी को आशीर्वाद देती हैं। जबलपुर के नर्मदा घाटों का कॉरिडोर बनाया जायेगा। नर्मदा के घाटों के उन्नयन कार्य के साथ ही उन्हें परस्पर जोड़ने का कार्य कर नर्मदा पथ विकसित किया जायेगा। तीन चरणों में अलग-अलग नर्मदा परिक्रमा पथ बनेंगे।

**औद्योगिक क्षेत्र का विकास:** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में औद्योगिक प्रगति के लिये बहुआयामी प्रयास किये जा रहे हैं। हाल ही में इंदौर में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 15 लाख 40 हजार 550 करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इससे करीब 29 लाख लोगों को जीविका मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जबलपुर में भटौली क्षेत्र में औद्योगिक नगर विकसित होगा। इसके लिये भूमि चिन्हित कर ली गई है। गारमेन्ट और टेक्सटाइल की इकाइयाँ बनेंगी। ये इकाइयाँ बहन और बेटियों के आर्थिक उन्नयन का भी मजबूत माध्यम हैं। इस क्षेत्र में रहवासी इलाके विकसित होंगे। भंडारण सुविधाएँ भी विकसित होंगी। हमारा प्रयास है कि ग्रीन फील्ड शहर की अवधारणा को लागू करें। जबलपुर के इस क्षेत्र में रिंग रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग की निकटता होने से औद्योगिक विकास की अच्छी संभावनाएँ हैं। इन संभावनाओं को साकार किया जायेगा।

**महाकौशल के विकास पर फोकस:** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि महाकौशल अंचल में अनेक विकास कार्य हो रहे हैं। करीब 66 हजार करोड़ की सिंचाई परियोजना के कार्य जारी हैं। केन-बेतवा परियोजना के लिये 44 हजार करोड़ की राशि प्राप्त हो रही है। बरगी बांध की निर्माणाधीन टर्नल पर स्लीमनाबाद के पास कार्य चल रहा है। अब तो विंध्य अंचल में नागौद तक पानी पहुँचने वाला है। जबलपुर के शहरी क्षेत्र के साथ ही निकटवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों का तेजी से विकास होगा। जबलपुर में 3500 करोड़ रूपये लागत का रिंग रोड बन रहा है। प्रदेश का दूसरा ग्लोबल स्किल पार्क जबलपुर में बनाया जायेगा। इसमें युवाओं को प्रशिक्षित किये जाने की व्यवस्था होगी। प्रदेश के स्किल्ड युवा दुनिया के देशों में जाकर सेवाएँ देंगे। अधो-संरचना को मजबूत बनाने वाले सभी कार्य तेज गति से चल रहे हैं। पूरे प्रदेश में बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति का संकल्प है।

### महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने गणतंत्र दिवस पर शुरू की नई अनुकरणीय परंपरा

# महापौर, अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष ने ध्वजारोहण के उपरांत डॉ एम सी डाबर को किया सम्मानित

**जबलपुर।** 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर 8 बजे नगर निगम प्रांगण में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, अध्यक्ष रिंकू विज, नेता प्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल और निगमायुक्त आशीष वशिष्ठ के द्वारा ध्वजारोहण किया गया ।इस गणतंत्र दिवस पर महापौर श्री अन्नू ने एक नई अनुकरणीय परंपरा की शुरुआत की और नगर निगम के उत्कृष्ट अधिकारियों कर्मचारियों के साथ साथ संस्कारधानी के गणमान्यजन को भी सम्मानित किया महापौर, अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष ने शहर के प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ एम सी डाबर को शॉल श्रीफल भेंट कर समानित करते हुए उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया ।इस मौके पर महापौर ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर उन्होंने शहर के समस्त नागरिकों को भी इस पावन पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। ध्वजारोहण के उपरांत अपने उद्धबोधन में उन्होंने नगर निगम के सभी अधिकारियों कर्मचारियों से आव्हान किया कि सभी अधिकारी कर्मचारी अपने-अपने कर्तव्यों का नागरिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए ईमानदारी के साथ निर्वहन करें। उन्होंने यह भी कहा कि आप लोग सभी महात्वपूर्ण पदों पर हैं, आप सभी एकजुट होकर भरपूर ऊर्जा के साथ नगर और नागरिकों के हित में काम करें। उन्होंने इसकी आवश्यकता बताते हुए कहा कि जिम्मेदारी का काम बहुत ईमानदारी से करने की जरूरत है। इसके उपरांत नगर निगम के उत्कर्ष अधिकारियों कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।ध्वजारोहण के समय एम आई सी सदस्य अमरीश मिश्रा,पार्षद अयोध्या तिवारी,श्रीमती प्रीति अतुल बाजपेयी,वकील अंसारी के साथ विभिन्न विभागों के विभागीय प्रमुख आदि मौजूद रहे।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित थीम थैंक यू मामा जी का कार्यक्रम बड़ेरिया मेट्रो प्राइम के सामने स्थित ग्राउंड में आयोजित किया जा रहा है जिसमें मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी का मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना से लाभान्वित बच्चों व उनके अभिभावकों द्वारा हार्दिक आभार।

वही इस कार्यक्रम के आयोजक एवं बड़ेरिया मेट्रो प्राइम के संचालक श्री सौरभ बड़ेरिया जी ने बताया कि मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना के अंतर्गत बड़ेरिया मेट्रो प्राइम के कुशल डॉक्टरों की टीम द्वारा मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना के अंतर्गत काफी बच्चे लाभान्वित हुए हैं इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के अलावा विधायक सुशील तिवारी हिंदू नेता प्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल उत्तर मध्य विधायक विनय सक्सेना पूर्व कैबिनेट मंत्री व विधायक लखन घनघोरिया सीएमएचओ संजय मिश्रा एवं बड़ेरिया मेट्रो प्राइम की समस्त एवं स्टाफ मौजूद रहा।

## संपादकीय

# नया कीर्तिमान

पुरुषों के भारतीय प्रीमियर लीग की तरह महिला क्रिकेट का प्रीमियर लीग भी शुरू करने का फैसला किया गया है। इसके लिए बोलियां मंगाई गईं। इसकी कोई आधार राशि तय नहीं थी। मगर इसमें जिस तरह कंपनियों ने उत्साह के साथ बोली लगाई, वह हैरान करने वाली थी। महिला प्रीमियर लीग की पांच टीमों की बिक्री से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआइ को चार हजार छह सौ सत्तर करोड़ रुपए की कमाई हो गई। चौदह साल पहले जब भारतीय प्रीमियर लीग की शुरुआत हुई थी, तब पुरुष आइपीएल की आठ फ्रेंचाइजी बहत्तर करोड़ पैंतीस लाख नब्बे हजार डालर में बिकी थी। उसकी तुलना में यह काफी उत्साहजनक शुरुआत है। निस्संदेह इससे महिला क्रिकेट खिलाड़ियों का मनोबल भी बढ़ा है। भारत में महिला क्रिकेट अभी बिल्कुल नया है। इस खेल को खुद महिला खिलाड़ियों ने अपने दम पर खड़ा किया और लंबे संघर्ष के बाद अपनी पहचान बनाई। जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय क्रिकेट टीम ने अपनी काबिलियत का लोहा मनवा दिया, तब इसकी तरफ गया और इन खिलाड़ियों की सुविधाओं का ध्यान रखा जाने लगा। कुछ महीने पहले ही बीसीसीआइ ने महिला और पुरुष खिलाड़ियों में फीस को लेकर बरते जा रहे भेदभाव को समाप्त करने की घोषणा की। महिला प्रीमियर लीग शुरू होने से माना जा रहा है कि न सिर्फ बीसीसीआइ की कमाई कई गुना बढ़ जाएगी, बल्कि भारतीय महिला क्रिकेट खिलाड़ी कमाई के मामले में दूसरे कई देशों के पुरुष खिलाड़ियों को पीछे छोड़ सकती हैं। फिर इससे दूर-दराज के इलाकों से प्रतिभावान महिला क्रिकेट खिलाड़ियों को खेलने का व्यापक मंच उपलब्ध हो सकेगा। इसलिए कि भारतीय क्रिकेट टीम में तो कुछ खिलाड़ियों का ही चयन होता है, मगर प्रीमियर लीग में टीमें कई होती हैं, इसलिए उनमें बहुत सारे खिलाड़ियों को खेलने का अवसर उपलब्ध होता है। बीसीसीआइ ने खिलाड़ियों और टीमों के इनामों की घोषणा भी कर दी है। जो खिलाड़ी खरीदे जाएंगे, उनकी भी बोली लगेगी और फिर हर मैच के लिए उनकी फीस तय होगी। इस तरह जो महिला खिलाड़ी पुरुष खिलाड़ियों की तुलना में अधिक संघर्ष करते हुए खेल रही थीं, उन्हें अब कमाई का नया अवसर मिलने जा रहा है। जाहिर है, इससे छोटे-छोटे कस्बों और गांवों तक में खेल रही लड़कियों का उत्साह बढ़ेगा और वे बेहतर प्रदर्शन कर महिला प्रीमियर लीग में प्रवेश पाने की प्रतिस्पर्धा कर सकेंगी। इस तरह सचमुच आधी आबादी को बराबरी की जगह बनाने का अवसर मिल सकता है। क्रिकेट को लेकर हमारे देश में विशेष प्रेम देखा जाता है। प्रीमियर लीग चूंकि कम ओवरों का, तेजी से खेला जाने वाला खेल है, इसलिए उसमें अधिक रोमांच होता है और क्रिकेट प्रेमियों में इसे लेकर उत्साह बना रहता है। जाहिर सी बात है, जिस खेल को लेकर ज्यादा दर्शक उत्साहित और उत्सुक होते हैं, उससे कमाई भी अधिक होती है।

# पहाड़ों पर तबाही की सुरंगें

इन पहाड़ों पर जल विद्युत और रेल परियोजनाओं ने बड़ा नुकसान पहुंचाया है। पर्यावरणविद और भू-वैज्ञानिक हिदायतें देते रहे हैं कि गंगा और उसकी सहायक नदियों की अविरल धारा बाधित हुई, तो गंगा तो अस्तित्व खोएगी ही, हिमालय की अन्य नदियां भी अस्तित्व के संकट से जूझेंगी। समूचे हिमालय क्षेत्र में बीते एक दशक से पर्यटकों के लिए सुविधाएं जुटाने के लिए जल विद्युत संयंत्रों और रेल परियोजनाओं की बाढ़ आई हुई है। इन योजनाओं के लिए हिमालयी क्षेत्र में रेल चलाने और छोटी नदियों को बड़ी नदियों में मिलाने के लिए सुरंगें बनाई जा रही हैं। बिजली परियोजनाओं में जो संयंत्र लग रहे हैं, उनके लिए हिमालय को खोखला किया जा रहा है। इस आधुनिक औद्योगिक विकास का ही परिणाम है कि आज हिमालय दरकने लगा है, जिन पर हजारों सालों से बसे लोग अपनी ज्ञान-परंपरा के बूते जीवन-यापन और वहां रहने वाले जीव-जगत की भी रक्षा करते चले आ रहे हैं। अथर्ववेद के 'पृथ्वी-सूक्त' में अनेक प्रार्थनाएं हैं। यह सूक्त राष्ट्रीय अवधारणा और 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना को विकसित, पोषित और फलित करने के लिए मनुष्य को नीति और धर्म से बांधने की कोशिश करता है। मगर हमने विकास के बहाने कथित भौतिक सुविधाओं के लिए अपने आधार को ही नष्ट कर दिया। जोशीमठ इसी अनियोजित विकास की परिणति है। जब हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र ने धरती को हिलाकर नाजुक बना दिया और घरों में दरारें पड़ने के साथ आधारतल घंस रहा है, तब लोगों को जीवन-रक्षा से जुड़ी सच्चाइयों को क्यों छिपाया जा रहा है? स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद हठपूर्वक पर्यावरण के विपरीत जिन विकास योजनाओं को चुना है, उनके चलते अगर लोग अपने गांव और आजीविका के साधनों को खो रहे हैं, तो ऐसी परियोजनाएं किसलिए और किसके लिए अब रेल और बिजली के विकास से जुड़ी कंपनियां दावा कर रही हैं कि धरती निर्माणाधीन परियोजनाओं से नहीं धंस रही है, लेकिन किन कारणों से धंस रही है, इसका उनके पास कोई उत्तर नहीं है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन, जो इस क्षेत्र में तपोवन विष्णुगढ़ जल विद्युत परियोजनाओं का निर्माण कर रहा है, उसकी बिजली उत्पादक कंपनी ने पत्र लिखकर दावा किया है कि इस क्षेत्र की जमीन धंसने में उसकी परियोजनाओं की कोई भूमिका नहीं है। उत्तराखंड में गंगा और उसकी सहयोगी नदियों पर एक लाख तीस हजार करोड़ रुपए की जल विद्युत परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इन संयंत्रों की स्थापना के लिए लाखों पेड़ काटने के बाद पहाड़ों को निर्ममता से छलनी किया जा रहा है। नदियों पर बांध निर्माण के लिए गहरे गड्ढे खोदकर खंभे और दीवारें खड़ी की जाती हैं। कई जगह सुरंगे बनाकर पानी की धार को संयंत्र के पंखों पर डालने के उपाय किए गए हैं। इन गड्ढों और सुरंगों की खुदाई में ड्रिल मशीनों से जो कंपन होता है, वह पहाड़ की परतों को खाली कर देता है और पेड़ों की जड़ों से जो पहाड़ गुंथे होते हैं, उनकी पकड़ भी इस कंपन से ढीली पड़ जाती है। नतीजतन, तेज बारिश के चलते पहाड़ों के ढहने और हिमखंडों के टूटने की घटनाएं पूरे हिमालय क्षेत्र में बढ़ जाती हैं। हिमालय में अनेक रेल परियोजनाएं भी निर्माणाधीन हैं। सबसे बड़ी रेल परियोजना उत्तराखंड के चार जिलों (टिहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग और चमोली) को जोड़ेगी, जिससे तीस से ज्यादा गांवों को विकास की कीमत चुकानी पड़ रही है। छह हजार परिवार विस्थापन के दायरे में आ गए हैं। ऋषिकेश से कर्णप्रयाग रेल परियोजना सवा सौ किमी लंबी है। इसके लिए सबसे लंबी सुरंग देवप्रयाग से जनासू तक बनाई जा रही है, जो 14.8 किमी लंबी है। केवल इसी सुरंग का निर्माण बोरिंग मशीन से किया जा रहा है। बाकी पंद्रह सुरंगों में ड्रिल तकनीक से बारूद लगाकर विस्फोट किए जा रहे हैं। इस परियोजना का दूसरा चरण कर्णप्रयाग से जोशीमठ के बजाय अब पीपलकोठी तक होगा। हिमालय की ठोस और कठोर अंदरूनी सतहों में ये विस्फोट दरारें पैदा करके पेड़ों की जड़ें भी हिला रहे हैं। अन्य जिलों के श्रीनगर, मलेथा, गौचर ग्रामों के नीचे से सुरंगें निकाली जा रही हैं। इनमें किए जा रहे धमाकों से घरों में दरारें आ गई हैं। हिमालय की अलकनंदा नदी घाटी ज्यादा संवेदनशील है। रेल परियोजनाएं इसी नदी से सटे पहाड़ों के नीचे और ऊपर निर्माणाधीन हैं। दरअसल, उत्तराखंड का मानचित्र बीते डेढ़ दशक में तेजी से बदला है। चौबीस हजार करोड़ रुपए की ऋषिकेश-कर्णप्रयाग परियोजना ने जहां विकास और बदलाव की ऊंची छलांग लगाई है, वहीं इन योजनाओं ने खतरों की नई सुरंगें भी खोल दी है। उत्तराखंड के सबसे बड़े पहाड़ी शहर श्रीनगर के नीचे से भी सुरंग निकल रही है। नतीजतन, धमाकों के चलते डेढ़ से ज्यादा घरों में दरारें आ गई हैं। पौड़ी जिले के मलेथा, लक्ष्मोली, स्वोत और देवली में 771 घरों में दरारें आ चुकी हैं। रेल परियोजनाओं के अलावा यहां बारह हजार करोड़ रुपए की लागत से बारहमासी मार्ग निर्माणाधीन हैं। इन मार्गों पर पुलों के निर्माण के लिए भी सुरंगें बनाई जा रही हैं, तो कहीं घाटियों के बीच पुल बनाने के लिए मजबूत आधार स्तंभ बनाए जा रहे हैं। हालांकि ये सड़कें सेना के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। सैनिकों का हिमालयी क्षेत्र में इन सड़कों के बन जाने से चीन की सीमा पर पहुंचना आसान हो गया है। लेकिन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिहाज से जो निर्माण किए जा रहे हैं, उन पर पुनर्विचार की जरूरत है। हिमालय में हाल ही में केन-बेतवा नदी जोड़ अभियान की तर्ज पर उत्तराखंड में देश की पहली ऐसी परियोजना पर काम शुरू हो गया है, जिसमें हिमनद (ग्लेशियर) की एक धारा को मोड़कर बरसाती नदी में पहुंचाने का प्रयास हो रहा है। अगर यह परियोजना सफल हो जाती है, तो पहली बार ऐसा होगा कि किसी बरसाती नदी में सीधे हिमालय का बर्फीला पानी बहेगा। हिमालय की अधिकतम ऊंचाई पर नदी जोड़ने की इस महापरियोजना का सर्वेक्षण शुरू हो गया है। इस परियोजना की विशेषता है कि पहली बार उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल की एक नदी को कुमाऊं मंडल की नदी से जोड़कर बड़ी आबादी को पानी उपलब्ध कराया जाएगा। यही नहीं, एक बड़े भू-भाग को सिंचाई के लिए भी पानी मिलेगा। 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत इस परियोजना पर काम किया जा रहा है। मगर इस परियोजना में जिस सुरंग का निर्माण कर पानी नीचे लाया जाएगा, उसके निर्माण में हिमालय के शिखर-पहाड़ों को खोदकर सुरंगों और नालों का निर्माण किया जाएगा, उनके लिए ड्रिल मशीनों से पहाड़ों को छेदा और विस्फोट से पहाड़ों को शिथिल किया जाएगा। यह स्थिति हिमालयी पहाड़ों के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए नया बड़ा खतरा साबित हो सकती है। हिमालय के लिए बांधों के निर्माण पहले से ही खतरा बनकर कई मर्तबा बाढ़, भू-स्खलन और केदरनाथ जैसे प्रलय का कारण बन चुके हैं। उत्तराखंड भूकंप के सबसे खतरनाक जोन-5 में आता है। कम तीव्रता के भूकंप यहां निरंतर आते रहते हैं।

# कहां गए वे दिन

हर जगह को बना दिया एक नक्शेबाज-सा 'मेट्रो सिटी'। जिस भी शहर को देखा जाए, उसकी तासीर और पहचान, सब इस वैश्विक गांव की परंपरा में खत्म हो गए हैं। मुरादाबाद पीतल के लिए जाना जाता था। वहां पीतल का सामान ही नदारद है और वह प्रसिद्ध गली ही गायब दिखी, जहां एक साथ पीतल का छोटा-बड़ा काम करते हुए कितने कारीगर मिल जाते थे। अलीगढ़ जाकर बेल्ट, ट्राफी और मेडल के कारीगर खोजा, तो वे वहां नहीं मिले। बेल्ट वाली गली को तोड़ कर वहां 'मल्टीप्लेक्स' बना दिया गया है। कारीगर अब मजदूर होकर कहीं और चले गए हैं। अजमेर गुलाब और गुलकंद के लिए प्रसिद्ध माना जाता था, वहां अब ये दोनों ही खोजने पड़ते हैं। कहां गए वे लोग अब किसी भी शहर में जाते हुए डर लगने लगता है कि बड़ी व्यावसायिक दुकानों और परिसरों ने उसे भी बदल न दिया हो। शहर भी कैसे अजीब से हो गए हैं। कानपुर की एक कनपुरिया बोली होती थी। वह सिरे से गायब है। कुछ लोग उसे अब किस्सागो किसी तरह जीवित कर रहे हैं। पर इस तरह कैसे? एक शहर एक जीता जागता जीवन दर्शन होता है। वह उसे रहना ही चाहिए। मगर आज कस्बे भी एकदम आडंबरों में ढलते जा रहे हैं, गांव अब जबर्दस्ती शहर होने को व्याकुल हो गए हैं। हर हाथ में मोबाइल है। इसने शहरों की तासीर बदलकर सबको नकलची की तरह का कुछ बना दिया है। शहर भी कभी मौन होकर सोचते होंगे कि क्या थे हम और ये हमारे निवासी हमको क्या से क्या बनाते जा रहे हैं। एक मजेदार कहानी है। एक नवयुवक अपनी ग्रामीण दादी को मुंबई लेकर जाता है। उसके दफ्तर में एक आयोजन है। वह अपनी देहाती दादी को सूती धोती की जगह जींस और सुंदर कुर्ता पहना कर ले जाता है। मगर कुछ ही पल मे दादी की बातों और सरल स्वभाव से सब कुछ सामने आ जाता है। युवक को पहले डर लगता है कि अब लोग क्या कहेंगे, मगर उसके बाद ठेठ गंवई अंदाज में दादी अपने लोकगीतों से सबका मन मोह लेती है और सब लोग दादी के साथ ठुमके लगाकर उस आयोजन को यादगार बना लेते हैं। तब जाकर वह नवयुवक समझ पाता है कि जो जैसा है, उस पर लीपापोती करके उसकी मौलिकता को नष्ट करना मूर्खता है, नितांत नादानी है। आज इसी मौलिकता को त्याग कर झूठे और भ्रामक विज्ञापन के जंजाल मे फंसकर लोग डिब्बे जैसे फ्लैट में रहने जा रहे हैं। ये वही लोग हैं जो कभी एकल स्क्रीन या पर्दे वाले सिनेमाघर में जाकर फिल्म देखते थे। वहां जायज दाम में समोसा मिलता था। बाहर आते तो सब्जी वाले ठेले से अगले दिन का साग लेकर लौटते। मगर ये लोग अब 'मल्टीप्लेक्स' में फिल्म देखते हैं। दस या बीस रुपए का समोसा सौ रुपए में खरीदते हैं। ऐसा करते हुए पता नहीं, उन्हें कैसा महसूस होता है! आज शहरों में एक और बात है। पहले कदम-कदम पर खुले मैदान होते थे। गुलमोहर और पलाश के दरख्त खड़े मिलते थे, अब गायब हैं। बाग-बगीचे कितने सुंदर होते थे, पर अब वे सीमेंट से पाट दिए गए है और वहां उद्यान बना दिए गए हैं। हर सौ कदम पर चाय की थड़ी होती थी, अब वह नहीं है, लेकिन चाय-काफी क्लब जरूर हैं, जहां दस रुपए वाली चाय अस्सी या सौ रुपए की मिलती है। इतना ही नहीं, क्लब में दीवार पर लिखा होता है कि मौन रहें, चुप रहे, शोर न करें और लोग भी बैठे हैं। ऐसी मरघट जैसी जगह पर चाय-काफी कौन पिएगा। ढाबे पर परांठा खाने का लुत्फ अब शहर या कस्बे में मिलता नहीं। शहर में सुबह या शाम की सैर पर निकला जाए तो वह असामाजिक सैर जैसी लगती है। सबके कानों में मक्खी-सी ठुंसी रहती है, जिसे 'इयरफोन' कहते हैं। कोई किसी से नहीं बोलता। पहले शहरों में सुबह-शाम सैर पर निकलने पर जगह-जगह मूंगफली, चाट, पापड़ बेचने वाले घूमते रहते थे। उनसे ही कितनी बातें हो जाती थीं। पर अब वे सब गायब हैं। वे क्या करें शहर में? अब तो सब कुछ 'होम डिलीवरी' होती है। अब यही चलन है। शहर में अब मेले नहीं लगते, अब कार्निवाल हो रहे हैं। मेले में जो चाट दस रुपए की मिलती थी, वह अब किसी 'इवेंट कंपनी' के 'कार्निवल' में सौ रुपए में भी मिल जाए तो गनीमत। 'कार्निवल' में बाकी सब भी अजीब और अटपटा-सा लगता है। देश में कितने वैश्विक नगर बन रहे हैं, पर यह एक खतरा है। लोरी की मिठास का मुकाबला नहीं है। हम विदेशी अंदाज में जीने लग जाएं और अपने खानपान, रहन-सहन के तौर-तरीके को भूल जाएं तो यह फिलहाल शायद अच्छा लगे, लेकिन बाद में ये चीजें बहुत याद आती हैं। तब हाथ में सिर्फ अफसोस होता है!

# सिकुड़ती मानवीय संवेदनाएं

विकास का पूरा दावा ही प्रकृति के विनाश पर खड़ा है। एक समय था जब जल के बिना कोई संकल्प नहीं हुआ करता था। अब तो गंगा हमसे नाराज है। नदियों के पूजक देश के साहित्य में नदियों को पुराण पुरुष की नाड़ी कहा गया है, क्योंकि उनसे ही देश की भौगोलिक, सांस्कृतिक और मिथकीय एकता का आधार मिलता है। लेकिन नदियां अब राजनीति के मुद्दों से अधिक कुछ नहीं। यह सरकारी अनुदान पाने का एक जरिया है। पुलों का टूटना, सड़कों का नष्ट हो जाना महज एक आपदा है, जिसका बाकायदा मुआवजा मिलता है। यह एक रहस्यमय व्यक्तिनिष्ठ रोमांटिक दुनिया है जो व्यक्ति केंद्रित है और हमारी धार्मिकता एकांगी। दरअसल, शिक्षा-संस्कृति का क्षेत्र न तो धर्म क्षेत्र है, न ही कुरुक्षेत्र। इसे ज्ञान का क्षेत्र ही बने रहने की कोई स्थायी मनोभूमि हमारे पास नहीं। नदियां, तीर्थों, पर्वों, उत्सवों, मेलों का रंग अब बाजारू हो गया है। उनको सहजेने के पीछे की मुहिम सांस्कृतिक नहीं व्यावसायिक है। उन्हीं को भेदकर आधुनिक बाजार खड़ा करने की साजिश विस्तार ले रही। अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र में कहीं कोई अंतर्संबंध नहीं दिखता। दो कमरों में सिमटी शहरी जिंदगी जितनी कुरूप उतनी अंधेरी। कहने को आलीशान और शानदार तरीके से बनाई गई गगनचुंबी इमारतें, लेकिन उनकी बनावट ऐसी कि इसमें बने घरों के भीतर सूरज झांक नहीं सकता। वीडियो बनाकर थकी वे स्त्रियां सो जाती हैं कि सुबह दफ्तर जाना है। शहरीकरण के कुहासे में बसी स्त्रियां आधुनिक हो गई हैं और आत्मनिर्भर भी। हालांकि आधुनिकता और आत्मनिर्भरता के वास्तविक मूल्य कितने जीवंत हैं, यह नहीं कहा जा सकता। कभी प्रकृति से जीवन पाने वाली पहले की पीढ़ियों के बीच ही आज गिलहरी, फूलदान, चिड़िया, फूल-पत्ती से दूर हो चुके बच्चे अब सिर्फ यंत्र की भाषा समझते हैं। पड़ोसीजन्य आत्मीयता अब सूख चुकी। यों भी यंत्रों की दुनिया में गुम इंसानों के बीच अपनी संवेदना बचेगी भी कहां। वहां भी तो यंत्रों और उसके प्रभाव से संचालित दुनिया बनेगी! आधुनिकता की लपटों में वैयक्तिकता का धुआं विस्तार पा रहा और हम भूमंडलीय मीडिया से भूमंडलीय नागरिक हो गए। अपनी जड़ों और जमीन से कटे-कटे हम शोरगुल ही नहीं, शोर-शराबे में खोए भ्रम, प्रपंचों, सोशल मीडिया के छायाभासों और छलनाओं के युग में रच बस रहे हैं। चकाचौंध और ग्लैमर के शिखरों से उतारी गई शख्सियतें बड़े-बड़े व्यावसायिक परिसरों या मालों ऐसे इठला रही हैं, जैसे पूरी व्यवस्था और तंत्र उनकी गिरफ्त में हो। और क्या भरोसा कि ऐसा सचमुच ही हो। उनके जीवन और एक साधारण इंसान के जीवन में जितना फांक और फर्क होता है, उसमें तो कुछ भी संभव दिखता है। इसे तो ऐसे भी देख सकते हैं कि व्यवस्था या तंत्र किसके लिए किस तरह और कितनी सक्रियता से काम करता है, किससे कितना सरोकार रखता है। इसी यंत्रवत जीवन के विकास के बीच सोच और संवेदना भी यंत्रीकृत होती जा रही है और यह हमारे अपने दायरे में भी सिर चढ़ कर बोलने लगा है। मसलन, भ्रूणहत्या करते-करते हमने कन्या भाव का ही अंत कर दिया है। कन्याएं आज के आधुनिक कहे जाने वाले दौर में भी बराबरी के लिए राह ताक रही हैं। केवल सफलताओं की ही नहीं, संकट की भी कई दृष्टियां होती हैं। नेहरू के युग की विकास योजनाएं जिस तरह अपनी ठसक खो रही हैं, एक नए किस्म का अर्थतंत्र रचा जा रहा, जिसका लक्ष्य उपभोक्ता को संतुष्ट करना नहीं, बाजार आश्रित बना देना है। दुखद आश्चर्य यह है कि इन तमाम संकटों के केंद्र में धर्म है। राममनोहर लोहिया कहते थे- 'धर्म एक दीर्घकालीन राजनीति है और राजनीति एक अल्पकालीन धर्म'। हम एक ऐसी दुनिया का हिस्सा हो चुके हैं, जिसमें भूमाफियाओं, अकादमियों के क्षेत्र उन लोगों की बन आई है, जिन्होंने इस समाज और दुनिया में किसी न किसी रूप में वर्चस्व कायम किया है। अब डीजे के शोर में कहीं कोई लोकगीत नहीं गाता। क्या पता, गाने ही न दिया जाए! सुनने वाला भी कौन मिलेगा! पश्चिम की आधुनिकता ने सांस्कृतिक आचार-व्यवहार की पद्धतियों और आपस में एक दूसरे को बरतने का न सिर्फ भाव बदल दिया, बल्कि बाजार भी बदल दिया।

# भ्रम के स्रोत

कानूनी विवादों में आंख मूंद कर इनकी सूचनाओं पर विश्वास नहीं कर सकते हैं, क्योंकि इन पर दी गई सूचना अप्रमाणित व भ्रामक हो सकती है। आज कल सूचनाओं और तथ्यों के लिए अध्येताओं, व्यावसायिक कार्यक्रमों, शैक्षणिक गतिविधियों की निर्भरता लगातार ऐसे स्रोतों पर बढ़ती जा रही है। खासतौर पर शिक्षा क्षेत्र में तो विद्यार्थी धीरे-धीरे इस पर ही निर्भर होते जा रहे हैं, क्योंकि अधिकतर शैक्षणिक संस्थान अधिक से अधिक शैक्षणिक सामग्री पीडीएफ आदि के रूप में उपलब्ध करा रहे हैं। इससे निस्संदेह शिक्षा की पहुंच (ज्ञान की पहुंच) अधिकतर लोगों तक बढ़ सकती है, लेकिन कमाई के चक्कर में बहुत-सी भ्रामक और तथ्यविहीन सामग्री भी प्रस्तुत की जा रही है। यहां तक कि यू-ट्यूब पर अनेक शिक्षक अधिक से अधिक सम्मोहक और आकर्षक वीडियो बनाने के प्रयास में तथ्यों की मूल भावना और विषय-वस्तु को भी तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत करते हैं। ऐसी स्थिति में सबसे ज्यादा नुकसान प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को होने की आशंका बनी रहती है, क्योंकि ऋणात्मक मूल्यांकन वाली परीक्षाओं में अधिकृत पुस्तकें ही प्रमाणित मानी जाती हैं। आज विद्यार्थी जब कोई सूचना या जानकारी किसी आनलाइन मंच पर पढ़ता या देखता है तो उसके अंदर भी एक प्रकार की भ्रामक स्थिति पैदा हो जाती है। उसे अपने द्वारा पढ़े और देखे गए तथ्यों पर विश्वास तब-तक नहीं होता है, जब तक वह उसे कई स्रोतों से प्रमाणित न कर ले। लेकिन इससे समस्या यह है कि बच्चे का महत्त्वपूर्ण समय इसी में खर्च हो जाता है।

प्रभात भईया आपकी नेतृत्व क्षमता और संगठनात्मक कार्यकुशलता एवं आपके प्रति कार्यकर्ताओं के प्यार और सम्मान के फलस्वरूप हमारे बड़े भाई पूर्व महापौर सम्मान. सप्रभातसाहूजी को भाजपा नगर अध्यक्ष बनने पर बधाई शुभकामनाएं बधाई शीर्ष नेतृत्व का आभार। आपके नेतृत्व में संगठन नित नई ऊंचाइयों को छुए ऐसी ईश्वर से प्रार्थना है।

# नर्मदा प्रकटोत्सव पर ग्वारीघाट समेत भेड़ाघाट और तिलवाराघाट में उमड़े श्रद्धालु

**जबलपुर।** मां नर्मदा के प्रकटोत्सव पर शनिवार को सुबह से ग्वारीघाट, तिलवाराघाट, भेड़ाघाट समेत आसपास के विभिन्न घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। भीड़ को देखते हुए एक दिवस पहले ही यातायात व्यवस्था व सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर दिए गए थे ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन व वाहनों की पार्किंग में असुविधा का सामना न करना पड़े। लोगों से अपील की गई है कि नर्मदा तटों पर गंदगी न फैलाएं। निगमायुक्त ने नर्मदा प्रकटोत्सव की तैयारियों की समीक्षा में यह निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा के निर्देश पर ग्वारीघाट, तिलवाराघाट, भेड़ाघाट में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। होमगार्ड के गोताखोर वोट सहित घाटों पर मौजूद रहेंगे। तटों पर यातायात व्यवस्था के इंतजाम पुलिस ने किए हैं। नर्मदा प्रकटोत्सव पर नर्मदा तटों में सफाई व्यवस्था बेहतर बनाए रखने सहित श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किए गए इंतजामों की निगमायुक्त आशीष वशिष्ठ ने समीक्षा की है। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को नर्मदा तटों मुस्तैद रखने और नर्मदा तटों को स्वच्छ रखने के निर्देश दिए। उन्होंने नागरिकों से भी आग्रह किया है कि नर्मदा नदी व तटों में गंदगी न करें। निगमायुक्त ने कहा जहां-जहां पूजन सामग्री, प्रसाद एवं भंडारे के आयोजन के दौरान होने वाले कचरे एवं गंदगी को तत्काल हटाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

# सफलता के साथ असफलता का भी जश्न मनाना जरूरी

## सचिन बोले- खेल कभी हार न मानने वाली भावना सिखाता है

मुंबई (एजेंसी)। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने कहा कि खेल हमारे देश का एक अभिन्न हिस्सा रहा है। हमारे देश में न जाने कितने खेलों ने जन्म लिया। हर चाल में गेम बदलने वाला चेस भारत से उपजा। अब इस खेल में कई भारतीय देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। इसी तरह अन्य देशों द्वारा बनाए खेलों में भी भारतीय टीमों का अद्वितीय प्रदर्शन रहा है।

क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी, सेलिंग, बैडमिंटन, बिलियर्ड्स में तो भारत ने विश्व विजेता की उपलब्धि भी हासिल की। इन कारणों से अब जब बच्चे घर से बाहर निकलकर गलियों में अपने दोस्तों के साथ खेलते हैं तो उनके माता-पिता घरों से ही अपने बच्चों को खेलते हुए देखते हैं और उत्साह बढ़ाते हैं। इस प्रक्रिया में हार-जीत मायने नहीं रखती। अगर बच्चा जीत जाता है तो अभिभावक उसके साथ जश्न में शामिल होते हैं और अगर वो हारता है तो वे अपने बच्चे को सांत्वना देते हैं। फिर वो बच्चा खेल को लेकर उतना ही उत्साहित रहता है, जितना वो पहले था।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में भी हार न मानने वाली भावना रहती है। एक खिलाड़ी कितनी बार जीता है, उससे उसकी सफलता को नापा जाता है। लेकिन, उनके जीवन में हार भी अहम भूमिका निभाती है। खेल ही दृढ़ता और दृढ़ संकल्प सिखाता है। पिछले साल, भारत ने एक नए खेल को देखा। रूपा रानी, पिंकी, नयनमोनी और लवली चौबे ने लॉन बॉल्स में भारतीयों की दिलचस्पी पैदा की।

इस टीम ने कॉमनवेल्थ में भारत के लिए लॉन बॉल्स में पहला गोल्ड जीता। समाज ने जीतने को ही तवज्जो दी है, लेकिन ये हमारी जिम्मेदारी है कि हम किसी की मेहनत और उसके संघर्ष पर भी उतना ही ध्यान दें। जीतने के लिए की गई कोशिश को भी लोगों की सराहना मिलना जरूरी है। हो सकता है कि चानू, सिंधु, बजरंग, मेरीकॉम और कोहली अच्छा खेल न दिखाएं। लेकिन वे दोबारा उतरेंगे और अपना बेस्ट देने की कोशिश करेंगे।

हमारी कोशिश होनी चाहिए कि अच्छा खेलने वाले खिलाड़ियों की ग्रासरूट स्तर पर ही पहचान हो। फिर उन्हें ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराना होगा, जहां वे सीखें। सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ असफलता को स्वीकार करने की क्षमता से इन खिलाड़ियों को जीतना सीखना होगा। हर गणतंत्र दिवस पर हम अपने संविधान और इसके द्वारा दिए गए अधिकारों का सम्मान करने के लिए इकट्ठा होते हैं। आइए इस बार भी हम सब मिलकर वर्षों की यात्रा का जश्न मनाएं, जब हम कई बाधाओं के बावजूद आगे बढ़ते हुए और कोशिश करते हुए जीतें। आइए हम एक ऐसे कल की कामना करें, जहां हम असफलताओं को महत्व देना सीखें। अपने और देश के लिए सर्वश्रेष्ठ हासिल करने का प्रयास करते हुए आगे बढ़ें।

**अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप**

## भारत ने न्यूजीलैंड पर दर्ज की आसान जीत, फाइनल में किया प्रवेश

सिडनी (एजेंसी)। अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड पर 8 विकेट से आसान जीत दर्ज करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत ने मिले 108 रनों के जवाब में श्वेता सहरावत के नाबाद 61 रनों की मदद से 14.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान शेफाली वर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। दूसरे ओवर की तीसरी गेंद पर मन्नत कश्यप ने न्यूजीलैंड की अन्ना ब्राउनिंग को अपना शिकार बनाया। इमा मैक्लॉड भी कुछ खास नहीं कर पाईं। वह 2 रन बनैकर तितास साधु का शिकार बनीं। इसके बाद हालांकि, जॉर्जिया प्लामर ने 35 और इज गेज 26 रन बनाकर कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन दोनों टीम को बड़े स्कोर तक नहीं पहुंचा सकीं।

## उसे टेस्ट में भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा, टीम उसके ऊपर निर्भर है : गांगुली

नईदिल्ली (एजेंसी)। करीब दो साल तक चले खराब प्रदर्शन के बाद विराट कोहली ने अपनी बेहतरीन फॉर्म में वापसी की है। 34 वर्षीय कोहली ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप में विस्फोटक अंदाज में दिखे थे और अपने पिछले नौ वनडे मैचों में तीन शतक बनाने में भी सफल रहे। हालांकि, दिल्ली में जन्मे इस क्रिकेटर ने अभी तक टेस्ट क्रिकेट में वैसा प्रदर्शन नहीं किया है। वह बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में ज्यादा कुछ नहीं कर सके और यह चिंता का कारण है, खासकर जब ऑस्ट्रेलिया 9 फरवरी से शुरू होने वाली चार मैचों की सीरीज के लिए भारत का दौरा कर रहा है। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने हालांकि, कोहली का समर्थन किया है और उम्मीद करते हैं कि वह खेल के सबसे लंबे प्रारूप में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। 50 वर्षीय गांगुली ने उल्लेख किया कि भारतीय क्रिकेट टीम टेस्ट क्रिकेट में उन पर निर्भर है और इसलिए, उन्हें फिर से कदम बढ़ाने और योगदान देने की जरूरत है।

गांगुली ने इंडिया टुडे से बात करते हुए कहा, विराट कोहली अच्छा कर रहे हैं। उन्होंने बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्हें टेस्ट क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन करना है क्योंकि भारतीय क्रिकेट टीम उन पर निर्भर है। ऑस्ट्रेलिया सीरीज जल्द ही आने वाली है और मुझे उम्मीद है कि यह काफी अच्छी होगी। मैं चाहता हूं कि भारत और ऑस्ट्रेलिया विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल खेलें।

## विंडीज क्रिकेट का भविष्य अब ब्रायन लारा के हाथों में, मिली बड़ी जिम्मेदारी

सेंट जॉन्स (एजेंसी)। क्रिकेट विंडीज (सीडब्ल्यूआई) मौजूदा समय बुरे दौर से गुजर रहा है। टीम वैसा प्रदर्शन दोहराने में असफल हो रही है, जिसके लिए वह करीब 7-8 साल पहले जानी जाती थी। हालांकि अब विंडीज क्रिकेट का भविष्य पूर्व कप्तान और बल्लेबाजी के दिग्गज ब्रायन लारा के हाथों में है। दरअसल, लारा को टीम का परफॉर्मेंस मेंटर नियुक्त किया गया है। वह टीम के खिलाड़ियों और बोर्ड दोनों के साथ मिलकर काम करेंगे। ब्रायन लारा सभी हेड कोच के साथ मिलकर काम करेंगे और वो उनको अपनी राय देंगे। विंडीज क्रिकेट ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि लारा, सीडब्ल्यूआई को एक परफॉर्मेंस मेंटर के रूप में सहायता करने के लिए सहमत हो गए हैं। लारा की नई भूमिका खिलाड़ियों को सामरिक सलाह देने और उनकी खेल भावना में सुधार करने के साथ-साथ आईसीसी विश्व कप टूर्नामेंट रणनीतिक योजना पर क्रिकेट निदेशक के साथ मिलकर काम करने में विभिन्न मुख्य कोचों का समर्थन करने की होगी। सीडब्ल्यूआई के क्रिकेट निदेशक जिमी एडम्स ने कहा, मैं वास्तव में उम्मीद कर रहा हूं कि ब्रायन हमारे खिलाड़ियों और कोचों को अमूल्य मार्गदर्शन और सलाह प्रदान करके हमारी क्रिकेट प्रणाली में एक महत्वपूर्ण योगदान देंगे। हमें विश्वास है कि ब्रायन हमारी उच्च प्रदर्शन वाली मानसिकता को सुधारने में मदद करेंगे, जो हमें सभी प्रारूपों में और अधिक सफलता दिलाएगा। हर कोई ब्रायन को हमारे खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए उत्साहित करता है। वहीं ब्रायन लारा ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में खिलाड़ियों और कोचों के साथ समय बिताने और सीडब्ल्यूआई के साथ चर्चा करने के बाद, मेरा मानना है कि मैं खिलाड़ियों को खेल के प्रति उनके मानसिक दृष्टिकोण और उनकी रणनीति को और अधिक सफल बनाने में मदद कर सकता हूं। मैं आगे देख रहा हूं।

**सबा करीम बोले**

## रांची में स्पिनरों को ज्यादा फायदा नहीं होगा, उसे नंबर 3 पर मौके दो

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के पूर्व विकेटकीपिंग बल्लेबाज सबा करीम ने कहा है कि वह राहुल त्रिपाठी को और मौके मिलते देखना चाहते हैं। भारत रांची में तीन मैचों की सीरीज के पहले टी20 मैच में न्यूजीलैंड का सामना करने के लिए तैयार है। इंडिया न्यूज से बात करते हुए करीम ने कहा कि रांची में स्पिनरों को ज्यादा फायदा नहीं होगा, उन्होंने कहा कि सीरीज के पहले मैच में अतिरिक्त स्पिनर को खिलाने की जरूरत नहीं है।

करीम ने कहा, आपके पास तीन स्पिनर (वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव) हैं क्योंकि दीपक हुड्डा गेंदबाजी कर सकते हैं। इसलिए तीसरे स्पिनर को खेलने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि सर्दियों में रांची में स्पिनरों को ज्यादा फायदा होगा। तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी क्योंकि नमी है और पिच सख्त है। उन्होंने कहा कि भारत ने वनडे सीरीज में बहुत अच्छा खेला और अगर टी20 सीरीज में भी इसी तरह का परिणाम आता है तो आश्चर्य नहीं होगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत ने वनडे मैचों में बहुत अच्छा खेल दिखाया। मेरा मानना है कि टी20 क्रिकेट में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिलेगा। मुझे नहीं लगता कि टीम को टक्कर देने के लिए न्यूजीलैंड एक कुशल टीम है। टीम इंडिया का आत्मविश्वास इस समय काफी ऊंचा है। हमें टी20 क्रिकेट में भी ऐसा ही परिणाम मिल सकता है।

पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ एक कड़ी सीरीज की उम्मीद कर रहे हैं क्योंकि उनके पास डेवोन कॉनवे, माइकल ब्रेसवेल और मिशेल सेंटनर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं।

## शादी के बंधन में बंधे अक्षर पटेल

**डाइटीशियन मेहा पटेल के साथ 7 फेरे लिए**

**वड़ोदरा (एजेंसी)।** ऑलराउंडर अक्षर पटेल गुरुवार को वडोदरा में शादी के बंधन में बंध गए। उन्होंने गर्लफ्रैंड मेहा पटेल के साथ शादी की। दोनों की सगाई पिछले साल 20 जनवरी को हुई थी। उस दिन अक्षर का बर्थडे था। मेहा पेशे से डायटीशियन और न्यूट्रिशियनिस्ट हैं। इसके अलावा वे सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। रील्स भी बनाती हैं। अक्षर–मेहा की शादी में मोहम्मद कैफ, जयदेव उनादकट समेत कई क्रिकेटर भी पहुंचे।

**कैफ ने ट्विटर पर किया पोस्ट–** अक्षर की शादी में भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ भी पहुंचे। कैफ ने ट्विटर पर जोड़े के साथ फोटो पोस्ट कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। अक्षर ने टीम इंडिया के कई खिलाड़ियों को शादी में इनवाइट किया था, लेकिन बिजी शेड्यूल होने के कारण वे शादी में शामिल नहीं हो सके।

**न्यूजीलैंड सीरीज से लिया ब्रेक–** अक्षर ने शादी के लिए फिलहाल न्यूजीलैंड सीरीज से ब्रेक लिया है। जडेजा के चोटिल होने के बाद से अक्षर लगातार भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। पटेल ने इसी साल की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ टी20 और वनडे मैचों की सीरीज खेली थी।

## आखिरी ग्रैंड स्लैम नहीं जीत सकीं

# सानिया-रो पड़ीं

**● ऑस्ट्रेलिया में मिक्स्ड डबल्स फाइनल हारीं, कहा- 18 साल पहले यहीं करियर शुरू हुआ था**

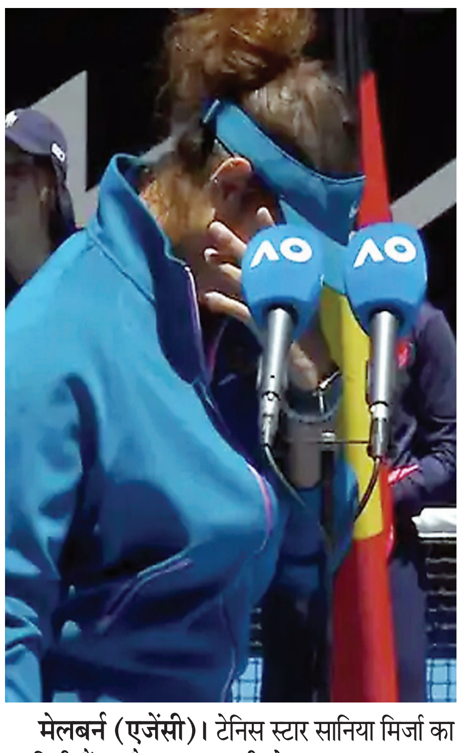

मेलबर्न (एजेंसी)। टेनिस स्टार सानिया मिर्जा का आखिरी ग्रैंड स्लैम फाइनल जीतने का सपना टूट गया। ऑस्ट्रेलियन ओपन मिक्स्ड डबल्स फाइनल में सानिया (36) और रोहन बोपन्ना (42) की जोड़ी को ब्राजील की लुईसा स्टेफनी और राफेल माटोस की जोड़ी ने हराया।

फाइनल मैच के बाद जब सानिया को मेलबर्न रॉड लेवर एरिना पर स्पीच के लिए बुलाया गया तो वो रो पड़ीं। उन्होंने कहा- ये खुशी के आंसू हैं। 18 साल पहले मेलबर्न से ही करियर शुरू हुआ था, इसे खत्म करने की मेलबर्न से बेहतर जगह नहीं हो सकती। मुझे यहां पर घर जैसा अहसास कराने के लिए आप सभी का शुक्रिया।

**डब्ल्यूटीए करियर का आखिरी टूर्नामेंट होगा–** सानिया मिर्जा पहले ही संन्यास की घोषणा कर चुकी हैं। साल के शुरुआत में उन्होंने टेनिस वेबसाइट वेटा टेनिस काम को दिए इंटरव्यू में कहा था कि दुबई में 19 फरवरी से होने वाले डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। इसके बाद वह संन्यास ले लेंगी।

**बोपन्ना बोले-**

**देश और दुनिया में प्रेरणा बनने के लिए शुक्रिया–** सानिया मिर्जा ने साथी खिलाड़ी रोहन बोपन्ना का भी शुक्रिया किया। उन्होंने कहा कि 14 साल की उम्र में उनके पहले मिक्स्ड डबल्स पार्टनर बोपन्ना ही थे। दोनों की फैमिली और बच्चे भी फाइनल के दौरान मौजूद थे। हालांकि, सानिया के पति और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक फाइनल में नहीं थे। बोपन्ना ने सानिया से कहा- आपने अपने खेल से इतने सालों तक देश और दुनिया के लोगों को प्रेरणा देने का काम किया है। इसके लिए आपका शुक्रिया।

### ब्राजीलियन जोड़ी ने सानिया बोपन्ना को हराया

मिक्स्ड डबल्स जीतने वाले लुईसा और राफेल पहली बार ग्रैंड स्लैम जीते हैं। सानिया-बोपन्ना ने पहला सेट 6-7 से टाईब्रेक में गंवाया। दूसरे सेट में भी उन्हें ब्राजील जोड़ी ने वापसी का मौका नहीं दिया और इस सेट को 6-2 से जीत लिया।सानिया-बोपन्ना ने 6 साल पहले 2017 में फ्रेंच ओपन का मिक्स्ड डबल्स खिताब जीता था। ऑस्ट्रेलियन ओपन में मिर्जा महेश भूपति के साथ 2009 में चैंपियन बनी थीं। सानिया मिर्जा अब तक 6 ग्रैंड स्लैम जीत चुकी हैं।

### सेमीफाइनल में नील-डेसिरै की जोड़ी ने मैच छोड़ दिया था

सानिया-बोपन्ना का सेमीफाइनल मुकाबला ब्रिटेन के नील स्कूपस्की और अमेरिकी की डेसिरै क्रॉक्जिक से था, लेकिन यह जोड़ी तीसरे सेट में मैच से हट गई थी। इसके बाद भारतीय जोड़ी को विजेता घोषित कर दिया गया था।

**क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भी मिला वॉकओवर–** सानिया-बोपन्ना की भारतीय जोड़ी को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में स्पेन के वेगा हर्नांडेज और लातविया के जेनेना ओस्तापेंको ?????ने वॉकओवर दिया था। इस जोड़ी ने प्री क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उरुग्वे के एरियल बेहर और माकोटो निनोमिया की जोड़ी 6-4 7-6 से हरा कर टॉप-8 में जगह बनाई थी।

**विमेंस डबल्स में गैरवरीय जोड़ी से हारीं–** सानिया मिर्जा अपनी जोड़ीदार एना डानिलिना के साथ विमेंस डबल्स के दूसरे दौर में उलटफेर का शिकार हुईं। भारत-कजाख की 8वीं सीड जोड़ी को बेल्जियम की एलिसन वान उइतवैंक और यूक्रेन की एनहेलिना कलिनिना की गैरवरीय जोड़ी ने 4-6, 6-4, 2-6 से हराया।

## अखाड़े में कुश्ती लड़ते-लड़ते पहलवान की मौत

**● लखीसराय में दूसरे पहलवान ने पटखनी दी ; गर्दन मुड़ने से मौके पर मौत**

लखीसराय (एजेंसी)। पहलवान ने कमर में हाथ डालकर दूसरे पहलवान को पटखनी दी। इस दौरान उसकी गर्दन मुड़ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।बिहार के लखीसराय में कुश्ती लड़ते पहलवान की मौत हो गई। पटखनी के दौरान उसकी गर्दन मुड़ गई, जिससे मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया इसके बाद भगदड़ मच गई। पहलवान की उम्र 28 साल थी।

इसका वीडियो भी सामने आया है। पुलिस को सूचना दी गई। पहलवान के परिवार को बुलाया गया। परिवार का आरोप है कि उसकी हत्या की गई है।

कुश्ती का आयोजन मेदनी चौकी थाने के हुसैना गांव में गुरुवार को किया गया था। इसमें प्रदेशभर से पहलवान कुश्ती लड़ने आए थे। कुश्ती के दौरान दो पहलवान दांव-पेच आजमा रहे थे। थोड़ी देर में एक पहलवान दूसरे को कमर से पकड़कर पटखनी देता है। इसी दौरान नीचे गिरे पहलवान की गर्दन मुड़ जाती है और उसकी मौके पर ही मौत हो जाती है।

# विधायक एवं कलेक्टर ने विकास योजनाओं की प्रदर्शनी का किया अवलोकन

**शहडोल।**

स्थानीय मानस भवन में गणतंत्र दिवस की संध्या पर आयोजित भारत पर्व कार्यक्रम में जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगाई गई, विभिन्न योजनाओं से संबंधित आकर्षक प्रदर्शनी का कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य, विधायक जयसिंहनगर श्री जयसिंह मरावी, जैतपुर श्रीमती मनीषा सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष शहडोल श्री घनश्यामदास जायसवाल, संयुक्त कलेक्टर श्री दिलीप पाण्डेय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 आरएस पाण्डेय, श्री शिवेन्द्र सिंह सहित अन्य लोंगों ने अवलोकन किया तथा प्रदर्शनी की प्रशंसा की।

# कलेक्टर श्रीमती पटले ने विद्यार्थियों के साथ खाई खीर-पूरी शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला खजरी में विशेष भोज कार्यक्रम संपन्न

**छिंदवाड़ा।**

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर आज छिन्दवाडा नगर की शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला खजरी में पीएम पोषण योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय विशेष भोज संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने विद्यार्थियों के साथ सुस्वादु पौष्टिक भोजन खीर-पूरी का स्वाद चखा । उन्होंने प्रारंभ में दीप प्रज्जवलित कर और माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद कार्यक्रम में एक छात्रा और एक छात्र को भोजन खिलाकर विशेष भोज कार्यक्रम की शुरूआत की । विशेष भोज कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती पटले, अन्य अतिथि व प्रशासनिक अधिकारियों को अपने साथ पाकर विद्यार्थी उत्साहित व प्रसन्न हुये। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्री विनायक वर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हरेन्द्र नारायण, सहायक

कलेक्टर सुश्री वैशाली जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव उईके, जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एस.के.गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी श्री गोपाल सिंह बघेल, सहायक संचालक शिक्षा श्री आई.एम.भीमनवार, जिला शिक्षा केन्द्र के जिला परियोजना समन्वयक श्री जगदीश कुमार इरपाचे, जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त श्री सत्येन्द्र सिंह मरकाम व सहायक संचालक शिक्षा श्री उमेश कुमार सातनकर, जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग के अधिकारी और कर्मचारी, शाला के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकायें व विद्यार्थी, पत्रकार और अभिभावक मौजूद थे।

# गणतंत्र दिवस पर प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में विशेष भोज का हुआ आयोजन

## माध्यमिक शाला छोहरी के आयोजन में खाद्य मंत्री हुए शामिल

**अनूपपुर।**

गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी 2023 को जिले के शासकीय एवं शासन से अनुदान प्राप्त प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं, राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना अंतर्गत संचालित शालाओं एवं मदरसे व संस्कृत शालाएं जिन्हें समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत सहायता दी जा रही है में विद्यार्थियों को मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम अंतर्गत विशेष भोज कराया गया। गणतंत्रता दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह जनपद अनूपपुर अंतर्गत माध्यमिक शाला छोहरी में मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम विशेष भोज में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र सिंह पवाँर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभय सिंह ओहरिया जनपद पंचायत अनूपपुर की अध्यक्ष श्रीमती धनमती सिंह एवं उपाध्यक्ष श्री तेजभान सिंह सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं ग्रामवासी उपस्थित थे। इस अवसर पर खाद्य मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्राम छोहरी के अधोसंरचना विकास के कार्यों के संबंध में जानकारी देते हुए ग्रामीणों की मांगों के अनुरूप सडक निर्माण कार्य कराने की बात कही। उन्होंने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी।

# मटका फिल्टर पर सूक्ष्म उद्यमिता विकास कार्यक्रमसांसद श्री डामोर, विधायक श्री काश्यप शामिल हुए

**रतलाम।**

नाबार्ड रतलाम एवं समय फाउंडेशन के माध्यम से उद्यमिता एवं आजीविका विकास के लिए मिट्टी से निर्मित मटका फिल्टर एवं मिट्टी से विकसित क्राफ्ट की कार्यशाला प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय रामकृष्ण मिशन हॉल में शुक्रवार को आयोजित किया गया।मटका फ़िल्टर का परीक्षण मधुबनी बिहार के संस्था जीपीएस एवं पानीपत के कुशल कारीगर के द्वारा दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिला समूह एवं प्रजापति समाज के करीब 85 प्रशिक्षणार्थी ने प्रशिक्षण प्राप्त किया जिसमें आधुनिक फिल्टर की जगह मटका फिल्टर का प्रशिक्षण दिया गया साथ ही छोटे सजावटी सामान जैसे गणेश की मूर्ति, गमला, 24-30 घंटे जलने वाला दीपक, जादुई दीपक आदि बनाना का आधुनिक एवं पारंपरिक तरीके से बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश लोगो को मटका फ़िल्टर के माध्यम से लोगो को शुद्ध पे जल एवं आजीविका के रूप में प्रोसाहित करना था।कार्यक्रम में सांसद श्री गुमानसिंह डामोर, विधायक श्री चेतन्य काश्यप, डिप्टी कलेक्टर श्री त्रिलोचन गौड़, लीड बैंक मैनेजर श्री दिलीप सेठिया, जिला विकास प्रबंधक श्री नीलम कुमार सोनी, प्रजापति समाज के अध्यक्ष श्री मुन्ना लाल उपस्थित रहे।

# कलेक्टर निवास एवं कार्यालय में कलेक्टर ने किया ध्वजारोहण

**अनूपपुर।**

गणतंत्र दिवस के पुनीत अवसर पर कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने कलेक्टर कार्यालय एवं कलेक्टर निवास में ध्वजारोहण किया व सलामी दी। तत्पश्चात् सामूहिक राष्ट्रगान किया गया। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभय सिंह ओहरिया सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं स्टॉफ तथा पुलिस बल के जवान उपस्थित थे।

# उत्कृष्ट विद्यालय में भारत पर्व का कार्यक्रम गरिमापूर्वक सम्पन्न हुआ

**डिण्डोरी।**

डिंडौरी जिले में जिला प्रशासन के द्वारा उत्कृष्ट विद्यालय प्रांगण में भारत पर्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारत पर्व में स्वराज संस्थान संचालनालय संस्कृति विभाग म.प्र.के कलाकारों और डिंडौरी जिलें के स्थानीय कलाकारों के द्वारा देशभक्ति और लोकगीत पर आधारित कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। विधायक श्री ओमकार सिंह मरकाम, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस, कलेक्टर श्री विकास मिश्रा और पुलिस अधीक्षक श्री संजय सिंह ने माँ सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर एसडीएम श्री बलवीर रमण, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य

विभाग डॉ. संतोष शुक्ला, जिला समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान, श्री राघवेन्द्र मिश्रा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रमेश मरावी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती मंजूलता सिंह, जिला क्रीडा अधिकारी श्री पुरूषोत्त्म राजपूत सहित अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

# नवनियुक्त आरक्षक वर्दी की मर्यादा को कभी न भूलें: मुख्यमंत्री

**म.प्र. पुलिस का चेहरा संवेदनशीलता, वीरता, देश भक्ति और अनुशासन का**

**गर्व और गौरव के साथ मध्यप्रदेश पुलिस की साख को बनाएँ**

**मुख्यमंत्री ने 6 हजार नवनियुक्त पुलिस आरक्षकों को सौंपे नियुक्ति-पत्र**

**पुष्प-वर्षा कर किया नव आरक्षकों का स्वागत**

**भोपाल।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश पुलिस का चेहरा संवेदनशीलता, वीरता, देश भक्ति और अनुशासन का है। इसे कभी बिगड़ने मत देना, यही पूँजी है जिसने मध्यप्रदेश पुलिस का देश में विशेष स्थान बनाया है। आज जिन नौजवानों ने पुलिस की वर्दी पहनी है, यह साधारण वर्दी नहीं है। यह वर्दी है देश और प्रदेश की सुरक्षा, अपराधियों को नेस्तनाबूद करने, निर्बलों को ताकत देने, अपराधियों को कुचलने और सज्जनों का उद्धार करने की। इसकी मर्यादाओं को कभी भूलना नहीं और इस पर कभी कलंक मत लगने देना। अपनी माँ और भारत माँ के दूध की लाज रखना, आपका दायित्व है। नव आरक्षक, जोश, जुनून और उत्साह के साथ अपने कर्त्तव्य पथ पर अग्रसर हों। मुख्यमंत्री चौहान आज रक्षित केन्द्र, नेहरू नगर भोपाल में नवनियुक्त 06 हजार आरक्षकों को नियुक्ति प्रमाण-पत्र वितरण एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री चौहान का बिगुल और बैंड की ध्वनि के साथ पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री चौहान ने दीप जला कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मध्यप्रदेश पुलिस के आरक्षकों ने मध्यप्रदेश गान प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री चौहान ने अपने आशीर्वाद तथा शुभकामनाओं के प्रतीक स्वरूप नव आरक्षकों पर पुष्प वर्षा की। सभी 6 हजार नव आरक्षकों ने करतल ध्वनि से मुख्यमंत्री चौहान का अभिवादन किया। नव आरक्षकों की ओर से खरगोन की सुरक्षा सोलंकी और निवाड़ी में पदस्थ आकाश कुशवाह ने पुलिस में चयन तथा अपने लक्ष्यों के संबंध में विचार साझा किए। मुख्यमंत्री चौहान ने प्रतीक स्वरूप 5 नव आरक्षकों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए।

**मध्यप्रदेश पुलिस का गौरवशाली इतिहास रहा है:** मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि नव आरक्षकों का चयन पारदर्शी प्रक्रिया से उनकी मेहनत, लगन, योग्यता और कर्तव्यनिष्ठा के आधार पर हुआ है, इसके लिए आप बधाई के पात्र हैं। पुलिस का कार्य केवल नौकरी नहीं, देशभक्ति और जनसेवा का संकल्प भी है। मध्यप्रदेश पुलिस का गौरवशाली इतिहास रहा है। कश्मीर में कबाइलियों को खदेड़ने, हैदराबाद के एक्शन और गोवा की मुक्ति में मध्यप्रदेश पुलिस का उल्लेखनीय योगदान रहा। देश के किसी भी कोने में होने वाली राष्ट्र विरोधी गतिविधियाँ को कुचलने में मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रभावी भूमिका निभाई है। प्रदेश को डकैतों के आतंक से मुक्त करना हो या नक्सलवादी गतिविधियों को रोकने का विषय हो, अपने कर्तव्य पथ पर रहते हुए मध्यप्रदेश पुलिस ने राष्ट्रीय दायित्वों का निर्वहन किया है। नव आरक्षकों का यह सौभाग्य है कि वे इस गौरवशाली परम्परा का भाग बन रहे हैं।

**पुलिस आरक्षक अपनी बीट की सभी गतिविधियों के प्रति जागरूक और सतर्क रहें:** मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि नव आरक्षक जैसा काम करेंगे, उनकी छवि वैसी ही बनेगी। हमारा चरित्र ही हमारा पूँजी है। मध्यप्रदेश पुलिस का मतलब है, सज्जनों के लिए फूल से अधिक कोमल और दुष्टों व अपराधियों के लिए वज्र से अधिक कठोर। पुलिस आरक्षक के रूप में अपनी बीट की सभी गतिविधियों और वहाँ के लोगों के प्रति जागरूक रहना आपका कर्तव्य है। नव आरक्षक अपनी बीट के अवैध काम करने वालों से मित्रवत होने से बचें, यह सावधानी और सतर्कता आपके कर्तव्य निर्वहन के लिए आवश्यक है। नव आरक्षकों को यह भरोसा जगाना होगा कि आप जनता के रक्षक हैं। मध्यप्रदेश पुलिस ने सिंहस्थ और कोविड काल में अपनी संवेदनशीलता का परिचय दिया। कोविड के कठिन काल में पुलिस के सिपाहियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर जनता की सेवा की और कुछ पुलिसकर्मियों ने तो कर्तव्य पथ पर अपना जीवन होम कर दिया। मुख्यमंत्री चौहान ने नव आरक्षकों का उन्मुखीकरण करते हुए कहा कि बेहतर कार्य के लिए टीम भावना आवश्यक है। हमारी छवि मेहनत, प्रमाणिकता और ईमानदारी से ही बनती है। जनता के जीवन से खिलवाड़ करने वालों, अपराधी प्रवृत्ति के लोगों को किसी भी स्थिति में छोड़ा नहीं जाए, राज्य सरकार आपके साथ है। प्रत्येक नव आरक्षक की कोशिश यह हो कि वह जहाँ पदस्थ हो, वहाँ की जनता उसकी कार्यप्रणाली के उदाहरण दें।

## 74 वें गणतंत्र दिवस की आप सभी देशवासियों को हार्दिक-हार्दिक- शुभकामनाएं

खबरो एवं विज्ञापन हेतु संपर्क करें
प्रशांत मिश्रा
मो. 8349007459

जबलपुर शहर का नवनिर्मित सर्वसुविधायुक्त आधुनिकतम हॉस्पिटल
गैलेक्सी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल
Advance Cardiac(CATHLAB), Critical Care & Trauma Centre
प्लाट नं 10, उखरी तिराहा, इलाहाबाद बैंक के सामने, जबलपुर (म.प्र.)
Phone No. 0761-4017010, 4027010, 2647010
24 Hrs. Helpline No. 8819830000

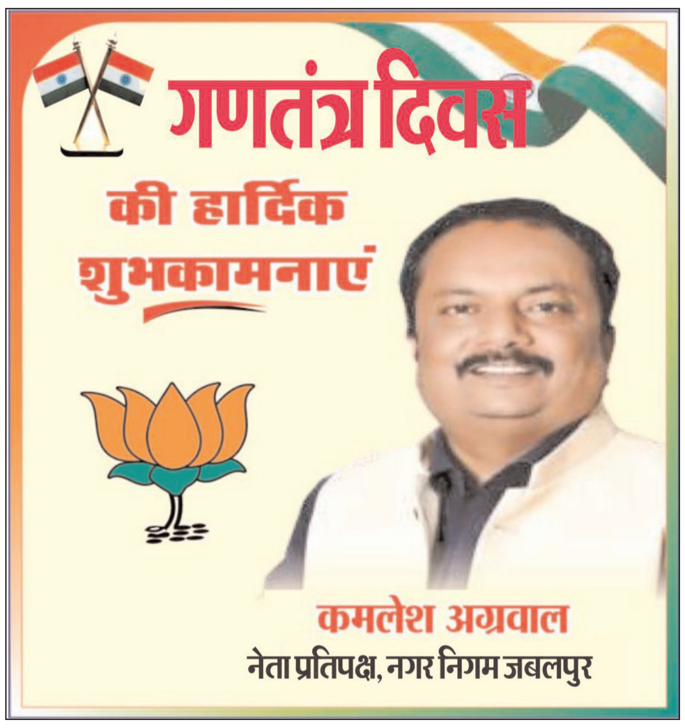

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक :- प्रमोद पटेल द्वारा अनिल मुद्राणालय1521 नेपियर टाउन जबलपुर से मुद्रित एवं प्लाट नं. 6 अरोमा ब्यूटी पार्लर, उखरी तिराहा जबलपुर से प्रकाशित।
संपादक : नलिनकांत बाजपेयी (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा) आर.एन.आई. नं. एमपीएचआईएन/2017/73874 मो. नं. 9425157790 Email-ID- digitalbharatnews@gmail.com web add-www.digitalbharatnews.in